सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 28 सितम्बर , 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 330, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

महाराष्ट्र : एक्शन मोड में शरद पवार, भाजपा की बढ़ी चिंता

मानसी फडके

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) राजनीतिक क्षेत्र में विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) यानि जोड़-तोड़ की कुछ जोरदार गतिविधियां चला रही है। वह किसी न किसी कारण से प्रतिद्वंद्वी महायुति के असंतुष्ट नेताओं को अपने पाले में ला रही है और इस प्रक्रिया में प्रमुख क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ा रही है।

पिछले चार महीनों में कम से कम सात नेता एनसीपी (शरदचंद्र पवार) में शामिल हो चुके हैं। पार्टी को आधिकारिक तौर पर शरदचंद्र पवार के नाम से जाना जाता है। कम से कम दो और वरिष्ठ नेताओं- भाजपा के हर्षवर्धन पाटिल और एनसीपी के रामराजे नाइक निंबालकर ने संकेत दिए हैं कि वे पवार की अगुवाई वाली पार्टी में जाने पर विचार कर सकते हैं। शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी के अधिग्रहण ने भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।

शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी में शामिल होने वाले कई नेता उन लोगों में से हैं, जो अपनी पसंद के विधानसभा क्षेत्रों से टिकट पाने को लेकर अनिश्चित हैं, क्योंकि महायुति के भीतर, खासकर पूर्व प्रतिद्वंद्वी भाजपा और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी के बीच सीटों का बंटवारा चुनौतीपूर्ण होने की संभावना है।

महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी शामिल हैं। 2023 में एनसीपी में तब विभाजन हुआ जब उसके अधिकांश विधायकों ने अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी के नेतृत्व में शरद पवार की अगुआई वाली पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी और सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हो गए। राजनीतिक टिप्पणीकार हेमंत देसाई ने बताया, 'आम धारणा यह है कि इस साल लोकसभा चुनावों में जो पैटर्न देखने को मिला, वह राज्य विधानसभा चुनावों में भी जारी रह सकता है। इस लोकसभा चुनाव में शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी का स्ट्राइक रेट सबसे बेहतर रहा और चुनाव के तुरंत बाद ही इसने महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों का दौरा करना शुरू कर दिया।'

लोकसभा चुनाव में शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 10 पर चुनाव लड़ा और उनमें से आठ पर जीत हासिल की। इसकी तुलना में, भाजपा ने 28 सीटों पर चुनाव लड़ा और राज्य में नौ सीटों पर जीत हासिल की, जबकि अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल एक पर जीत हासिल की।

शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी में शामिल होने वाले नेता अविभाजित एनसीपी के पारंपरिक गढ़ पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा से हैं, जिससे पार्टी, उसके नेताओं और उसके कैडर में विभाजन के बाद इन क्षेत्रों में शरद पवार की अगुआई वाली पार्टी की ताकत बढ़ गई है। शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी के प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा कि लोग उनकी पार्टी में इसलिए शामिल हो रहे हैं क्योंकि बीजेपी खुद दलबदलुओं की पार्टी बन गई है। बीजेपी ने शिवसेना और एनसीपी को तोड़ दिया और अब अजित पवार बीजेपी के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी के कई विधायक शरद पवार के संपर्क में हैं और अपना रुख स्पष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने बगावत क्यों की और वे कैसे वापस आना चाहेंगे।

जून से शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल होने वाले सात लोगों में से पांच बीजेपी नेता थे, जिनके नाम समरजीत सिंह घाटगे, बापूसाहेब पाठारे, सूर्यकांत पाटिल, सुधाकर भालेराव और माधवराव किन्हालकर हैं। पाठारे अपने बेटे के साथ शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हो गए।

कोल्हापुर के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाले घाटगे को भी अपने निर्वाचन क्षेत्र कागल में इसी तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ा था, जहां से उन्होंने 2019 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। वह अविभाजित एनसीपी के हसन मुश्रीफ से हार गए। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाने वाले घाटगे इस क्षेत्र से पार्टी के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक थे और 2024 का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के भाजपा के साथ गठबंधन को देखते हुए, महायुति सरकार में कैबिनेट मंत्री मुश्रीफ की उम्मीदवारी एक संभावित बाधा थी। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, इसी तरह, मराठवाड़ा के लातूर जिले के उदगीर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक भालेराव ने भी भाजपा छोड़ दी, क्योंकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से एक मौजूदा विधायक है।

पुणे जिले के एक विधानसभा क्षेत्र इंदापुर में, भाजपा नेता हर्षवर्धन पाटिल के समर्थकों ने इस महीने की शुरुआत में पोस्टर लगाए, जिसमें पाटिल से शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी का चुनाव चिन्ह तुतारी अपनाने का आग्रह किया गया। 2019 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए पाटिल के शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल होने की अटकलों के बीच पोस्टर सामने आए, जिसके बाद पिछले महीने दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई थी। इंदापुर 2014 तक पाटिल का गढ़ रहा था। अगस्त में अपनी जन संवाद यात्रा के दौरान, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने इंदापुर सीट पर दावा पेश किया, जिससे पाटिल नाराज हो गए, जो महायुति के भीतर भी सीट पर नजर गड़ाए हुए हैं। पाटिल ने इस महीने अपने समर्थकों से बात करते हुए कहा, 'जब सीट बंटवारे पर चर्चा अभी तक नहीं हुई है, तो कोई भी सीट पर दावा कैसे कर सकता है? क्या यही महायुति धर्म है?'

पूर्व भाजपा नेता एकनाथ खडसे का भाजपा में वापस जाने के बजाय शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ बने रहने का फैसला भी भाजपा की जीत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि खडसे की बहू रक्षा खडसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय कैबिनेट का हिस्सा हैं। इस साल अप्रैल में एकनाथ खडसे ने भाजपा में वापसी के संकेत दिए थे।

अगस्त में, बारामती लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इंदापुर से प्रवीण माने अपनी बेटी सुप्रिया सुले के लोकसभा चुनाव अभियान को बीच में छोड़कर इस साल अप्रैल में अजित पवार गुट में शामिल होने के बाद वापस शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में चले गए।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

पश्चिम एशिया में बड़े युद्ध की आहट! डरी दुनिया

इजरायल और हिजबुल्लाह के संघर्ष में और देशों के शामिल होने की आशंका

तेलअवीव (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी दो बड़े संघर्षों ने पूरे विश्व को चिंता में डाल दिया है। इजरायल एक साथ हिजबुल्लाह और हमास के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। कई विश्लेषक और नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर शांति नहीं स्थापित हुई तो और देश भी इस संघर्ष में उलझ सकते हैं और यह संकट पूरे मध्य पूर्व को अपनी चपेट में ले सकता है। फिलहाल जो हालात हैं वे ज्यादा उम्मीद नहीं बांधते हैं। लेबनान में इजरायल के हवाई हमले जारी हैं। हिजबुल्लाह के साथ संघर्ष में भी इजरायल वहीं भाषा बोल रहा है जो हमास के साथ लड़ाई में बोलता रहा है। इस बार भी उसका कहना है कि हिजबुल्लाह के खात्मे तक उसकी कार्रवाई जारी रहेगी।

हालांकि करीब साल भर के मिलिट्री ऑपरेशन के बाद वह गाजा में हमास को खत्म नहीं कर पाया है। यहूदी राष्ट्र ने गुरुवार को इस बात से इनकार किया कि वह लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह और लेबनानी राजनीतिक दलों के साथ युद्धविराम पर सहमत हो गया है। बता दें अमेरिका और सहयोगी देशों ने 21 दिनों के युद्धविराम की अपील की थी।

सरकार बदलते ही बांग्लादेश में बेलगाम हुए कट्टरपंथी

- दुर्गा पूजा से पहले हिंदुओं को दिया अल्टीमेटम

जमकर धमकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के हटने के साथ ही अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लिए मुसीबतें बढ़ रही हैं। बंगालियों का सबसे बड़ा त्योहार, दुर्गा पूजा नजदीक आने के साथ ही कट्टरपंथी इस्लामी समूह त्योहार को खुले तौर पर मनाने का विरोध कर रहे हैं। ये कट्टरपंथी त्योहार के दौरान देशव्यापी छुट्टियों के खिलाफ हैं। जी बांग्ला की खबर के अनुसार, हाल ही में कट्टरपंथी समूहों ने ढाका के सेक्टर 13 में एक मार्च भी निकाला, जिसमें हिंदुओं द्वारा दुर्गा पूजा के लिए खेल के मैदान के इस्तेमाल का विरोध किया गया। इंसाफ कीमकारी छात्र-जनता नामक एक संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें बांग्ला में तख्तियों पर लिखा था, सड़कें बंद करके कहीं भी पूजा नहीं की जाएगी, मूर्ति विसर्जन से जल प्रदूषण नहीं होगा।

स्कूल की तरक्की के लिए बच्चे की हत्या

- मालिक का तांत्रिक पिता गिरफ्तार, शव को कार में डालकर ठिकाने लगाने जा रहा था

हाथरस (एजेंसी)। यूपी के हाथरस में एक स्कूल की तरक्की के लिए 11 साल के छात्र की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस के पुलिस ने उसे पकड़ लिया। साथ ही मैनेजर समेत 4 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। वारदात 23 सितंबर की है। पुलिस ने इसका

मुताबिक, स्कूल के मालिक के पिता ने इस वारदात को अंजाम दिया। मैनेजर का पिता तांत्रिक है। उसका मानना था कि बच्चे की बलि देने से स्कूल की तरक्की होगी। हत्या के बाद आरोपी शव को कार में डालकर ठिकाने लगाने जा रहा था। इसी दौरान बच्चे के घरवालों की शिकायत पर खुलासा 26 सितंबर को किया। मामला सहपऊ थाना क्षेत्र का है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि कृतार्थ की हत्या गला दबाकर की गई है। उसके गले पर चोट के निशान थे। बच्चे के पिता ने मैनेजर दिनेश बघेल सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

सागर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

बुंदेलखंड में 19000 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव

5 साल में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने का लक्ष्य : सीएम मोहन यादव

सागर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भविष्य का बुन्देलखंड, विकसित बुन्देलखंड होगा। प्रदेश में उद्योगों के विकास का कार्य निरंतर जारी रहेगा। छोटे से छोटे उद्यमी की सहायता के लिए भी राज्य सरकार पूर्ण सहायोग प्रदान करेगी। केन-बेतवा परियोजना के क्रियान्वयन से बुन्देलखंड के ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता की वृद्धि होगी, जिससे बुन्देलखंड क्षेत्र का स्वरूप बदल जायेगा। सागर में एयरपोर्ट का निर्माण होगा। इससे एविएशन क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेगी। प्रदेश के कई स्थानों पर विमानन की गतिविधियों के लिए केन्द्र सरकार का पूर्ण सहयोग मिल रहा है, इससे रोजगार भी बढेगा।

निवेश सुविधा केंद्रों का शुभारंभ- उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से सागर में एमपीआईडीसी के रीजनल ऑफिस का भूमिपूजन एवं संभाग के 6 इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर्स का शुभारंभ किया। इसके साथ-साथ उन्होंने एपीआईडीसी कोयम्बटूर (तमिलनाडु) के कार्यालय का भी वर्चुअल शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्थानीय स्तर पर छोटे उद्योग लगाने वाले युवाओं को पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री ने जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'मध्यप्रदेश संदेश'' के प्रथम अंग्रेजी संस्करण का विमोचन किया।

निवेश के साथ रोजगार के द्वार- इस एकदिवसीय आयोजन में खनिज, पर्यटन, नवकरणीय उर्जा, पेट्रोल केमिकल्स, प्लास्टिक, खाद्य प्रसंस्करण, डेरी और फर्नीचर निर्माण, टेक्सटाइल, आईटी, डेटा सेंटर के क्षेत्र में निवेश के प्रस्ताव आए। सम्मेलन में उद्योगपतियों ने बुंदेलखंड क्षेत्र में 19000 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव सामने रखे। इनके फलीभूत होने पर करीब 30000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

ये निवेश प्रस्ताव आए

शुभारंभ सत्र में देश के प्रमुख उद्योगपतियों से ये प्रमुख निवेश प्रस्ताव आए।

- बंसल ग्रुप बुंदेलखंड क्षेत्र में 1350 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। वह चार सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, एक फाइव-स्टार होटल और सोलर प्लांट लगाएगा।
- गीतांजलि ग्रुप के चेयरमैन जेपी अग्रवाल ने निवाड़ी में 3200 करोड़ रुपये के निवेश से इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट लगाने की घोषणा की। इससे लगभग 10000 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- मध्य भारत एग्रो कंपनी बंडा में 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के मालिक पंकज ओसवाल ने यह घोषणा की।
- सागर ग्रुप के चेयरमैन सुधीर अग्रवाल ने अगले 4 सालों में 1300 से 1400 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट स्पिनिंग, प्रोसेसिंग और सोलर प्लांट्स में करने की घोषणा की।

अलविदा मेरे प्यारे ट्राम!

खत्म होने वाली है कोलकाता की 150 साल पुरानी धरोहर

1873 में घोड़ागाड़ी के रूप में हुई थी शुरुआत, बंद करने का विरोध भी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार के परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने घोषणा की है कि कोलकाता की प्रतिष्ठित ट्राम जल्द ही बंद कर दी जाएंगी। हालांकि उन्होंने मैदान से एस्प्लेनेड तक एकमात्र विरासत रूट को जारी रखने का फैसला किया है। कोलकाता भारत का एकमात्र ऐसा शहर है जहां ट्राम सेवा अभी तक चल रही है। हाल ही में इसने अपनी 150वीं वर्षगांठ मनाई है। इससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और कई ट्राम प्रेमियों ने इस फैसले का विरोध

करने का फैसला किया है। चक्रवर्ती ने कहा कि धीमी गति से चलने वाली ट्राम असुविधाजनक हैं क्योंकि यात्रियों को परिवहन के तेज साधनों की जरूरत होती है। कहा जाता है कि ट्राम जब पहली बार कोलकाता में शुरू की गई थी, तब आने-जाने का सबसे लोकप्रिय साधन थीं।

ब्रिटिश राजधानी कलकत्ता में 1873 में शुरू की गई पहली ट्राम घोड़ों से खींची जाती थी। वे सियालदाह और अर्मेनियाई घाट स्ट्रीट के बीच 3.8 किमी के रास्ते पर चलती थीं। हालांकि, आर्थिक मुद्दों के कारण उन्हें एक साल के भीतर ही बंद कर दिया गया।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मैं बहुत सुखी हूँ
इसलिए
ज़िंदा नहीं हूँ

मैं बहुत शांत हूँ
इसलिए
ज़िंदा नहीं हूँ

मैं सबकुछ सहन
करता रहता हूँ
और खुश रहता हूँ
इसलिए
ज़िंदा नहीं हूँ

मैं किसी के गम में
भागीदार नहीं होता हूँ
इसलिए
ज़िंदा नहीं हूँ

सारे अपराधी
मुझसे खुश रहते हैं
इसलिए
ज़िंदा नहीं हूँ।

- दुर्गाप्रसाद झाला

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3°c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे
इंदौर ■ शनिवार, 28 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

जमानत की शर्तों को जेल में रखने का टूल ना बनाएं

सुप्रीम कोर्ट की ईडी पर सख्त टिप्पणी,जमकर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जमानत देने की सख्त शर्तों को लागू करके किसी को लंबे समय तक जेल में रखना उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीएमएलए, यूएपीए और एनडीपीएस ऐक्ट के मामलों में जल्द से जल्द निपटारा करने की जरूरत है।

सुनवाई में देरी और जमानत देने में सख्त नियमों को लागू करके आरोपी को जेल में ही कैद रखना ठीक नहीं है। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज की बेंच ने कहा कि कार्यपालिका को भी उन कानूनों पर ध्यान देना चाहिए जिनमें आरोपी पर ही खुद को निर्दोष साबित करने की जिम्मेदारी होती है।

कोर्ट ने कहा कि यह मामला 2022-2016 के दौरान का है जब सेंथिल बालाजी परिवहन मंत्री हुआ करते थे। व 15 महीने से जेल में हैं और फिलहाल निकट भविष्य में इस मामले का हल निकलता दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में उन्हें जमानत दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में 2 हजार आरोपी और 500 गवाह हैं।

ऐसे में मामले की सुनवाई और फैसले में ज्यादा वक्त लगने की संभावना है। कोर्ट ने कहा कि अब तक के साक्ष्यों को देखें तो सेंथिल बालाजी के खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे पता चले कि उनके बैंक अकाउंट में 1.34 करोड़ रुपये जमा किए गए। यह भी नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई केस नहीं बनता। वहीं ईडी को जमानत के सख्त प्रावधान धारा 45 (1) को इस्तेमाल करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती क्योंकि आरोपी लंबे समय से हिरासत में हैं। वहीं बेंच ने कहा कि बालाजी को हर सोमवार और शुक्रवार को ईडी के पास हाजिरी देनी होगी। वहीं मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई के दौरान उन्हें कोर्ट में भी हाजिर रहना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मंत्री रहते हुए बालाजी पर आरोप लगे थे। वहीं न्याय व्यवस्था में जमानत एक नियम है और जेल अपवाद है। ऐसे में जमानत के सख्त नियमों को किसी को जेल में डाले रखने का हथियार नहीं बनाया जा सकता है।

सीआरपीसी और बीएनएस में उलझी लोकायुक्त पुलिस

- कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ दर्ज नहीं हो पाया केस

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकायुक्त पुलिस मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कानूनी स्पष्टीकरण मांग रही है। यह जानकारी सूत्रों ने बृहस्पतिवार को दी। कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ बुधवार को लोकायुक्त पुलिस से जांच कराने का आदेश दिया। इसके साथ ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया। विशेष अदालत के

न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट के इस आदेश से एक दिन पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच कराने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी को बरकरार रखा था। इस मामले में एमयूडीए द्वारा सिद्धारमैया की पत्नी बी एम पार्वती को 14 भूखंड आवंटित करने में अनियमितताएं बरतने का आरोप है। लोकायुक्त पुलिस के एक सूत्र ने बताया, ''हमने अभी तक मामला दर्ज नहीं किया है। कुछ कानूनी स्पष्टीकरण मांगे जा रहे हैं, क्योंकि विशेष अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत आदेश पारित किया है, जबकि उसे शायद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत प्रक्रिया का पालन करते हुए आदेश पारित करना चाहिए था।

बेंगलुरु की कॉलोनी को 'पाकिस्तान' कहना पड़ रहा भारी

- कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस की बढ़ीं मुश्किलें,ट्रांसफर पर भी विचार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की एक कॉलोनी को एक केस की सुनवाई के दौरान पाकिस्तान कहकर संबोधित करने वाले कर्नाटक हाई कोर्ट के जस्टिस वी श्रीशानंद की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। खबर है कि उनके ट्रांसफर पर भी चीफ जस्टिस की अगुवाई वाले सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने विचार किया है। उन्हें कर्नाटक हाई कोर्ट के बाहर किसी और उच्च न्यायालय में भेजने पर विचार चल रहा है। यह विचार सुप्रीम कोर्ट के उन टॉप 5 जजों की बेंच कर रही है, जिसने उनकी टिप्पणी पर स्वत: संज्ञान लेते

हुए सुनवाई की थी और माफी मांग लेने के बाद मामले को बंद कर दिया गया। चीफ जस्टिस समेत सभी 5 जज कॉलेजियम का भी हिस्सा हैं। इन जजों में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय शामिल हैं। इन जजों की बेंच ने 20 सितंबर को इस मामले पर विचार किया था और फिर अंत में 25 सितंबर को मामला समाप्त कर दिया गया। अब खबर है कि जस्टिस वी. श्रीशानंद के ट्रांसफर पर भी कॉलेजियम में विचार चल रहा है। कर्नाटक हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की 23 सितंबर की रिपोर्ट में जस्टिस श्रीशानंद की कई गैर-वाजिब टिप्पणियों का जिक्र किया गया है। अब इस पर 5 जजों की कॉलेजियम विचार कर रही है कि क्यों न उनका ट्रांसफर कर दिया जाए। जस्टिस श्रीशानंद को लेकर इसलिए भी कॉलेजियम सख्त है क्योंकि उन्होंने इससे पहले भी कई विवादित टिप्पणियां की थीं।

कांग्रेस में डीलर-दलाल और दामाद की 3डी काम करती थी

शाह बोले-हरियाणा में हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे

गृहमंत्री शाह बोले-लोग गोहाना और मिर्चपुर कांड नहीं भूले हैं

रेवाड़ी (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को रेवाड़ी के बाद अंबाला में रैली की। अंबाला में शाह ने कहा- हरियाणा में जब कांग्रेस सरकार थी तो 3डी काम करती थी। जिसमें डीलर-दलाल और दिल्ली में बैठा दामाद शामिल है। शाह ने कहा कि कांग्रेस दलितों पर अत्याचार करती है। लोग अभी गोहाना और मिर्चपुर कांड भूले नहीं हैं। शाह ने कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा के बहाने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को घेरा। शाह ने कहा कि हुड्डा की मानसिकता है कि दलित बहन सैलजा को प्रचार के लिए बुलाया तो वे हार जाएंगे। शाह ने इससे पहले रेवाड़ी रैली में कहा- सेना में भर्ती होने वाले हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे। कांग्रेस वाले सेना का सम्मान नहीं करते। कांग्रेस ने सेनाध्यक्ष को गुंडा कहा था। शाह ने कहा- हरियाणा में कांग्रेस सरकार में डीलर-दलाल नियुक्ति पत्र देते थे, लेकिन बीजेपी में डाकिया देकर आता है। भाजपा सरकार ने डीलर-दामाद का नामोनिशान मिटा दिया। शाह ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह कांग्रेस शासित राज्यों में एमएसपी लागू करके दिखाएं। शाह ने दोहराया कि हरियाणा में कांग्रेस की रैली में पाकिस्तान के नारे लगे। शाह बोले कि राहुल गांधी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, लेकिन जब तक भाजपा सरकार है, आरक्षण खत्म नहीं करने देंगे। शाह ने राहुल गांधी को कश्मीर में धारा 370 दोबारा लागू करने का भी चैलेंज दिया। अंबाला के बाद वे कुरुक्षेत्र के लाडवा में रैलियां करेंगे। 4 दिन पहले भी अमित शाह हरियाणा में प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने फतेहाबाद के टोहाना और यमुनानगर के जगाधरी में रैली की थी। शाह ने कहा- हरियाणा के दलित भाई गोहाना कांडा और मिर्चपुर कांड अभी तक नहीं भूले। कांग्रेस के शासन काल में दलितों का हमेशा ही शोषण हुआ है।

तिरुपति लड्डू विवाद

पूर्व सीएम जगन मोहन को मंदिर जाने की इजाजत नहीं

- 28 सितंबर को अनुष्ठान करने वाले थे, पूर्व सीएम बोले-राज्य में राक्षसों की सरकार

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति मंदिर का दौरा कैंसिल कर दिया। जगन रेड्डी ने कहा, पुलिस ने मंदिर यात्रा को लेकर राज्य भर के वायएसआर नेताओं को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि हमें तिरुमाला मंदिर जाने की इजाजत नहीं है। राज्य में राक्षसों का राज जारी है। जगन कल यानी 28 सितंबर को तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में विशेष अनुष्ठान करने वाले थे। इधर, आंध्र प्रदेश सरकार की बनाई हुई 9 सदस्यों वाली टीम ने तिरुपति के प्रसादम में एनिमल फैट पाए जाने के मामले की जांच शुरू कर दी है। टीम को गुंटूर रेंज के सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी लीड कर रहे हैं। लड्डू विवाद तब शुरू हुआ, जब सीएम चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को यह आरोप लगाया कि वायएसआर कांग्रेस सरकार में मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी वाला वनस्पति तेल और फिश ऑयल मिलाया था। पूर्व सीएम रेड्डी गन्नवरम एयरपोर्ट से 4 बजे रेनिगुंटा जाएंगे।

अग्निवीरों को नौकरी में 15 फीसदी आरक्षण देगी ब्रह्मोस

फैसला लेने वाली देश की पहली कंपनी बनी,वजह भी बताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के संयुक्त वेंचर ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड ने फैसला लिया है कि वह अपनी कंपनी में कम से कम 15 फीसदी तकनीकीं पदों को अग्नीवीरों के लिए आरक्षित करेंगे। सरकार की तरफ से कई संगठनों में अग्नीवीरों को प्राथमिकता देने की बात की गई है लेकिन किसी प्राइवेट कंपनी की तरफ से पहली बार ऐसा फैसला लिया गया है। कंपनी की तरफ से बताया गया कि तकनीकी पदों के अलावा प्राशसनिक और सुरक्षा की जरूरत के हिसाब से भी अग्निवीरों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। फर्स्ट पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइल बनाने वाली यह कंपनी अग्निवीरों के लिए अपने सामान्य कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम से अलग हटकर काम करते हुए उन्हें आउटसोर्सिंग कॉन्ट्रैक्ट के तहत शामिल करेगी। इसके साथ- साथ कंपनी अपने व्यापार से जुड़े बाकी सहयोगी संगठनों को भी अग्निवीरों को अपने यहां काम पर रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। भारत सरकार द्वारा सेना में भर्ती के लिए सामान्य प्रक्रिया को हटाकर 2022 से अग्निवीर योजना को शुरू किया गया था, जिसमें भर्ती होने वाले युवा को चार साल की अवधि के लिए सेना में अपनी सेवाएं देते हैं इस दौरान वह सैन्य रणनीतियों के अलावा तकनीकी दक्षता भी प्राप्त करते हैं। कंपनी के सीईओ ने पोस्ट से बात करते हुए बताया कि अग्नीवीर जब सेना में शामिल होते हैं तो उन्हें एक बेहतर प्रशिक्षण प्रक्रिया से गुजरना होता है जो उन्हें मजबूत बनाता है। जब हम उन्हें अपने यहां काम पर रखेंगे तो हमें उनकी ट्रेनिंग के लिए अलग से खर्च नहीं करना होगा। इससे हमारी कंपनी के अंदर एक बहुत प्रशिक्षित वर्क फोर्स होगी, जिससे कंपनी को ही फायदा होगा।

कंपनी के डिप्टी सीईओ के मुताबिक भारतीय रक्षा उद्योग में काम करने वाली 250 से अधिक टीम ब्रह्मोस का हिस्सा है। हमने सभी से बात की है। भारतीय रक्षा उद्योग अग्निवीरों के पहले बैच का इंतजार कर रहा है कि कब हम उन्हें अपने साथ अपनी टीम में शामिल कर पाएं। उन्होंने कहा कि हम इसका और ज्यादा विस्तार करना चाहते हैं। हमने अपने सभी विक्रेताओं से भी अनुरोध कर रहे हैं और इसके साथ ही हम अपने साथी संगठनों से भी बात कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि सभी अपने संगठनों में कम से कम 15 प्रतिशत नौकरियां अग्निवीरों के लिए आरक्षित रखें।

यूएस में बार-बार हिंदू मंदिरों पर हमले से भड़का भारत

- अमरीकी अधिकारियों के सामने उठाया मामला,जताया विरोध

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में कैलीफोर्निया के सैक्रामेंटो में हिंदू मंदिर में हुई तोड़फोड़ पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। खबर है कि इस संबंध में अमेरिकी अधिकारियों से भी संपर्क साधा गया है। मंदिर में अज्ञात बदमाशों ने नफरत फैलाने के मकसद से बीएपीएस मंदिर में तोड़फोड़ की और उसकी दीवारों पर 'हिंदुओं वापस जाओ' के नारे लिख दिए थे। कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सैन फ्रांसिस्कों में कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया 24 सितंबर की रात सैक्रामेंटो के स्वामिनारायण मदिर में हुई तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करता है। एजेंसी ने इस मामले को स्थानीय अधिकारियों के सामने उठाया है, ताकि इस मामले पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारी इस तोड़फोड़ की घटना की जांच कर रहे हैं।

कई अफेयर, लालच और शादी का प्रपोजल बन गया 'काल'

बेंगलुरु की महालक्ष्मी हत्याकांड में लगातार खुल रहे बड़े राज

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में महालक्ष्मी हत्याकांड को लेकर लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पति की कहानी सुनने के बाद पहल अशरफ नाम के शख्स पर शक की सुई घूमी थी। हालांकि बाद में नृशंस हत्या की एक-एक कड़ियां खुलती चली गईं और पुलिस के जाल में मुख्य आरोपी मुक्ति रंजन रॉय फंस गया। महालक्ष्मी का शव करीब 18 दिन तक फ्रिज में पड़ा रहा। आरोपी ने धारदार हथियार से शव के 59 टुकड़े कर डाले थे। जानकारी के मुताबिक महालक्ष्मी और मुक्ति रंजन करीब 6 महीने से रिलेशनशिप में थे।

हालांकि उनके बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। महालक्ष्मी पहले से ही शादीशुदा थी और अपने पति को छोड़कर अलग रहने लगी थी। मुक्ति और महालक्ष्मी के बीच भी अक्सर झगड़ा और मारपीट होती रहती थी। महालक्ष्मी व्यालिकवल इलाके में एक रूम के फ्लैट में रहती थीं। उनके झगड़े की बात किसी से छिपी नहीं थी। कई बार घर से निकलकर बाहर तक ड्रामा हो चुका था। माल्लेश्वरम पुलिस थाने में उनके झगड़े को लेकर शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि कई बार उनके झगड़े को सुलझाने की भी कोशिश की गई। 3 सितंबर की रात मुक्ति रंजन महालक्ष्मी के फ्लैट पर पहुंचा। महालक्ष्मी ने उससे शादी को लेकर कुछ कहा। इसके बाद ही एक बार फिर बहस शुरू हो गई। महालक्ष्मी की शादी हेमंत दास से हुई थी और उसकी एक बेटी भी है।

एनसीपी नेता की पत्नी ने कलाम से की ओसामा लादेन की तुलना

- कहा-ओसामा बिन लादेन की भी बायोग्राफी पढ़ें,महाराष्ट्र में बवाल

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (शरद पवार) नेता जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ने स्कूल के एक कार्यक्रम के दौरान भाषण में ओसामा बिन लादेन और पूर्व राष्ट्रपति मिसाइलमैन एपीजे अब्दुल कलाम की तुलना कर दी। उन्होंने कहा कि ओसामा बिन लादेन की बायोग्राफी भी सबको पढ़नी चाहिए। वह जन्म से ही आतंकी नहीं था बल्कि परिस्थितियों ने उसे आतंकवादी बना दिया।

ऋता आव्हाड के इस बयान के बाद बीजेपी ने उन पर तीखा हमला किया है। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जितेंद्र आव्हाड की पत्नी खुले मंच से बच्चों से आतंकी ओसामा की बायोग्राफी पढ़ने को कह रही हैं। इंडिया गठबंधन के नेताओं की आदत में ही आतंकियों को डिफेंड करना है। उन्होंने कहा कि जितेंद्र अह्वाड ने भी इशरत जहां का समर्थन किया था। कांग्रेस और एसीपी शरद पवार पार्टी के नेता लगातार यूकूब, अफजल और कसाब के समर्थन में बयान देते रहते हैं। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन तुष्टीकरण की राजनीति करता है।

हज यात्रा के आवेदन अब 30 सितंबर तक कर सकेंगे

इंदौर (एजेंसी)। हज 2025 के मुक़द्दस सफर के लिए आवेदन की आखिरी तारीख दूसरी बार बढ़ाई गई है। इंदौर जिला हज कमेटी के अध्यक्ष राशिद शेख ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज यात्रा ऑनलाइन आवेदन तारीख को 30 सितंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। इससे पहले 23 सितंबर अंतिम तारीख थी। शेख ने बताया कि जल्द ही हज सुविधा केंद्र भी खोले जाएंगे। हज यात्रा के लिए अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट की वैधता 15 जनवरी 2026 तक होना जरूरी है। आवेदन करते समय रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा नहीं करना होगा।केवल चयनित आवेदकों को प्रोसेसिंग शुल्क 300 रुपए बाद में जमा करने होंगे। एक कवर में एक परिवार के अधिकतम 5 व न्यूनतम एक वयस्क व दो इंफेंट (किशोर वर्ग) आवेदन कर सकेंगे। वहीं आवेदन फॉर्म में अंकित आवासीय पता व पासपोर्ट में अंकित पता एक समान होने पर आवासीय प्रमाण के रूप में पासपोर्ट की फोटो प्रति मान्य होगी। हज यात्री हज कमेटी की वेबसाइट hajcommittee.up.gov.in से जानकारी हासिल कर आवेदन कर सकते हैं।

7 दिन की अंतिम चेतावनी

अपर कलेक्टर, एसीपी समेत 3 को बंगले खाली करने का नोटिस

इंदौर (एजेंसी)। एसडीएम मल्हारगंज ने एमपीआईडीसी के पूर्व कार्यकारी संचालक और वर्तमान में निवाड़ी जिला पंचायत सीईओ के पद पर कार्यरत रोहन सक्सेना को आवंटित आवास रिक्त करने के लिए नोटिस जारी किया है। संभागायुक्त के आदेश पर सक्षम प्राधिकारी ने पहले बेदखली अधिनियम के तहत आवेदन पेश किया था।आदेश रोहन सक्सेना के एमजी रोड स्थित आवंटित आवास पर चस्पा किया है। सक्सेना 2023 में तबादला होने के बाद से ही आवास खाली नहीं कर रहे हैं।

2 को 7 दिन का समय- एसडीएम जूनी इंदौर घनश्याम धनगर की कोर्ट ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी को ओल्ड पलासिया स्थित आवास खाली करने के लिए नोटिस जारी किया है। वर्तमान में रघुवंशी खंडवा में पदस्थ हैं। संबंधित कोर्ट ने दिसंबर 2023 में आदेश पारित किया था, इसके बाद भी आवास खाली नहीं किया।इसी तरह तत्कालीन सहायक पुलिस महानिरीक्षक नितेश भार्गव को रेसीडेंसी क्षेत्र में रेडियो कॉलोनी में बंगला आवंटित किया था। उन पर पिछले साल बेदखली प्रकरण में आदेश पारित किया था। एसडीएम ने 25 सितंबर को अंतिम नोटिस जारी कर 7 दिन में बंगला खाली करने का कहा है।

टीआई के ट्रांसफर के बाद गुंडे ने डाली रील

चैकिंग के दौरान नाले में कूदकर भाग गया था, टीआई ने लगवाई थी दौड़

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के बाणगंगा में टीआई का ट्रांसफर हो गया। ट्रांसफर के बाद ही गुरुवार को इलाके के गुंडे ने इंस्टाग्राम पर स्टेटस लगाया। जिसमें टीआई उसके सामने से गुजर रहे हैं। वह टीआई को घूरकर देख रहा है। उक्त गुंडे को ट्रांसफर के एक दिन पहले ही टीआई ने दौड़ लगवाई थी। जो पुलिस को चकमा देकर नाले में कूद गया था। हालांकि वीडियो फोटो एडिट करके लगाया है। जो पूर्व टीआई जैसा दिख रहा है। बाणगंगा थाने के भागीरथपुरा में रहने वाले गुंडे राहुल माली ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर रील डाली। जिसमें पूर्व टीआई लोकेश भदौरिया उसके सामने से निकल रहे हैं। वह उन्हें आंख दिखा रहा है। गुंडे द्वारा यह बताया जा रहा है कि उस पर जो भी हाथ डालेगा, वह किसी भी लेवल का हो, उसे देख लिया जाएगा। उक्त स्टेटस सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।

पुलिस को देखकर नाले में कूद गया था गुंडा- मंत्री विजयवर्गीय की चेतावनी के बाद एडिशनल डीसीपी, एसीपी और तत्कालीन टीआई लोकेश भदौरिया ने यहां चैकिंग की थी। जिसमें कई नशेड़ियों को पकड़ा था। इसके बाद राहुल माली को पकड़ने के लिए दबिश दी तो वह नाले में कूदकर भाग गया था। राहुल इलाके का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। उस पर पहले के कई अपराध हैं।

नकली घी बनाने वाली यूनिट पर छापा

5 हजार लीटर पाम ऑइल जब्त ; असली घी की तरह की जाती थी पैकिंग, जांच के लिए भेजे सैंपल

इंदौर (एजेंसी)। खाद्य विभाग ने गुरुवार को वीर सावरकर नगर में नकली घी बनाने वाली यूनिट में छापा मारा। यहां पाम ऑयल से बनाया गया नकली घी पाया गया। टीम ने मौके से 5 हजार नकली घी (पाम ऑयल) जब्त कर सैंपल जांच के लिए भोपाल लैब भेजे हैं। टीम द्वारा यहां सनी इंटरप्राइजेस का औचक निरीक्षण किया गया। दरअसल सूचना प्राप्त हुई थी कि यहां पर नकली घी का व्यापार किया जा रहा है। मौके पर देवश्री ब्राण्ड के अलग-अलग नाम रामदेवम, मंगलश्री, बालकृष्ण आदि के 1 लीटर और 500 एमएल पैकिंग वाले पाम ऑयल के पैकिंग पाए गए। साथ ही अन्य वेजिटेबल ऑइल के भी बिल्कुल असली घी की तरह दिखने वाले पैकेट भी भारी मात्रा में रखे हुए थे। इन पैकेट को खोलकर भौतिक परीक्षण किया गया। इनकी महक भी बिल्कुल असली घी की तरह थी। संचालक सनी परमार द्वारा खाद्य कारोबार का लाइसेंस भी प्रस्तुत नहीं किया गया। टीम ने 5520 लीटर नकली घी (पाम तेल) जब्त किया है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 7 लाख रुपए है। सैंपल की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

32 सीटर स्कूल बस में बैठाए 52 बच्चे, जब्त कर बनाया चालान

इंदौर (एजेंसी)। एक निजी स्कूल की 32 सीटर बस में ड्राइवर 52 बच्चों को बैठाकर ले जा रहा था। बस में कई बच्चे खड़े दिखे तो ट्रैफिक जवानों ने बस रुकवाई। देखा क्षमता से 20 बच्चे ज्यादा हैं। इतना ही नहीं, जब जांच की तो ड्राइवर के पास हैवी व्हीकल चलाने का लाइसेंस भी नहीं था।ट्रैफिक सूबेदार काजिम रिजवी ने बताया कि विद्या श्री एजुकेशन एकेडमी की बस का चालान बनाकर जब्त किया है। यह आजाद नगर से भंवरकुआं तरफ होस्टल जा रही थी। बस नौलखा चौराहे पर पहुंची तो दूर से ही बस के अंदर बच्चे खड़े हुए दिखे। बस रुकवाकर देखा तो वह ओवरलोड मिली। बस 30 सीटर है, जबकि उसमें 50 बच्चे थे, जिनमें 20 बच्चे खड़े-खड़े सफर कर रहे थे आखिर उसी बस से दो शिफ्ट में बच्चों को छुड़वाने के बाद जब्त कर ली गई।

शादी का सूट पहना, टाई के फंदे पर झूल गया

पत्नी की शिकायत पर उज्जैन पुलिस ने किया था तलब; लौटते ही किया सुसाइड

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की लॉजिस्टिक मैनेजमेंट कंपनी के कर्मचारी ने सुसाइड कर लिया। घटना गुरुवार देर रात डेढ़ बजे की है। सुसाइड से पहले उसने शादी का सूट पहना और वीडियो भी बनाया। इसके बाद उसी सूट की टाई का फंदा बनाकर झूल गया। लाश को सबसे पहले भाई ने देखा और अनुराग को अस्पताल लेकर गए। लसूड़िया पुलिस ने बताया 30 साल का अनुराग बद्रीलाल धारसिया एनएचएआई की कंपनी एनएचएलएमएल के इंदौर ऑफिस में पर्सनल असिस्टेंट के पद पर था। वह स्कीम नंबर 78 रहता था। परिवार ने पुलिस को जानकारी दी कि गुरुवार को अनुराग अपनी ससुराल उज्जैन गया था। वहां से शाम को इंदौर लौटा और सीधे अपने कमरे में चला गया। अनुराग की शादी चार साल पहले हुई थी। पिछले साल से पत्नी उससे अलग अपने मायके में रह रही है। पत्नी की शिकायत पर उज्जैन महिला थाने में अनुराग को तलब किया गया था। वहां से लौटने के बाद ही उसने अपनी जान दी।

3 साल पहले शादी, 2 साल बाद मायके गई पत्नी

भाई अजय ने बताया कि अनुराग की पत्नी तामश्री एमटेक थी। शादी के बाद वह एक निजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर रही। दो साल बाद मार्च 2023 में अनुराग केदारनाथ गया था। तामश्री अपने मायके उज्जैन चली गई। केदारनाथ से लौटने पर अनुराग ने वापस बुलाया तो नहीं आई। वह अपने पिता के साथ ही रह रही थी। वहां उसने प्ले स्कूल शुरू कर दिया।अनुराग ने तामश्री को घर लाने के लिए दो दिन पहले ही 25 सितंबर को कानूनी नोटिस भेजा था। नोटिस देखकर तामश्री ने उसकी उज्जैन के महिला थाने में शिकायत कर दी। इसके बाद महिला थाने से 26 सितंबर को अनुराग को उज्जैन तलब किया था।

बगैर बयान दिए लौटा, परिवार को भी नहीं बताया

उज्जैन महिला थाना के मुताबिक तामश्री ने शिकायती आवेदन दिया था। उसी के आधार पर गुरुवार को बयान के लिए बुलाया गया था। अनुराग इंदौर से आया तो था, लेकिन जब पता चला कि मां, भाई सबकी शिकायत हुई है तो यह कहकर लौट गया कि परिवार से बात करूंगा, उसके बाद आकर बयान दर्ज कराऊंगा।

बहन ने फोन पर बड़े भाई से कहा- पता करो, वो कुछ गलत न करे

बहन ने फौरन ये बात अपने बड़े भाई अजय को बताई कि अनुराग का पता करो, वो कुछ गलत कर सकता है। इस पर अजय बगैर समय गंवाए अनुराग के घबराई और उसने तुरंत यह जानकारी अपनी फ्रेंड को दी। उस फ्रेंड ने रात में ही अनुराग की बहन को कॉल कर बता दिया कि आपका भाई कुछ गलत कर सकता है, जल्दी देखो..।

अनुराग ने पत्नी को कॉल कर कहा था- कुछ गलत कदम उठा रहा हूं

खुद को कमरे में बंद करने के बाद अनुराग धारसिया ने मायके में रह रही पत्नी तामश्री को फोन लगाया। उसे बताया कि अब कुछ गलत कदम उठाने जा रहा हूं। पत्नी कमरे की तरफ भागा। कमरे का दरवाजा लगा था। आवाज देने पर जब नहीं खोला तो दरवाजा तोड़ा गया। अंदर अनुराग टाई के फंदे पर झूल रहा था।बड़े भाई अजय ने बताया कि अनुराग को फंदे से उतारकर हम फौरन अस्पताल लेकिन पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बताया कि वह मर चुका है। उसने सुसाइड से पहले शादी का सूट पहना था। टाई का फंदा बनाकर लटक गया। वीडियो भी मिले हैं, मोबाइल को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

बड़े भाई ने कहा- बहू का भाई धमका रहा था

बड़े भाई अजय ने आरोप लगाया कि बहू तामश्री का भाई गज्जू (अनुराग का साला) भी धमका रहा था। इस कारण महिला थाने में बयान के लिए उसे उज्जैन जाना पड़ा। वह उज्जैन में किससे मिला, इसके बारे में हमें भी नहीं बताया था। इंदौर लौटते ही उसने फांसी लगा ली। भाई का आरोप है कि पत्नी और ससुराल वालों की प्रताड़ना से तनाव में आकर उसने यह कदम उठा लिया। उज्जैन महिला थाना प्रभारी मधुबाला राठौड़ ने मीडिया को बताया तामश्री ने पति अनुराग सहित ससुरालवालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। तामश्री ने आरोप लगाया था कि वह एमटेक तक पढ़ी हैं, इसलिए जॉब करना चाहती थी पर नहीं करने दिया।

सिमरोल में कार्रवाई

एम्बुलेंस में ओडिशा से 138 किलो गांजा लेकर इंदौर आ रहे दो तस्कर गिरफ्तार, राजस्थान भेज रहे थे

इंदौर (एजेंसी)। इमरजेंसी सेवा का फायदा उठाकर ओडिशा के दो तस्कर एंबुलेंस में गांजा ले जा रहे थे। सिमरोल पुलिस ने घाट सेक्शन में चेकिंग के दौरान उन्हें पकड़ लिया। एंबुलेंस सायरन बजाकर निकलने लगी तो पुलिस ने उसे रुकवाकर तलाशी ली। उसमें 138 किलो गांजा मिला। इसकी कीमत 40 लाख रुपए बताई जा रही है। यह माल ओडिशा के बड़े ड्रग्स माफिया ने भेजा था। एंबुलेंस के आगे काली बोलेरो चल रही थी। पुलिस ने एंबुलेंस रोकी तो बोलेरो काफी आगे थी, इसलिए वे लोग भाग गए।ग्रामीण एसपी हितिका वासल ने बताया कि तस्करों के नाम किरण उर्फ टेलको हंतल (19) और डब्लू उर्फ बलराम पात्र (21) दोनों निवासी देबागंधाना जिला कारापुट ओडिशा हैं। टीआई अमित कुमार को सूचना मिली थी कि गांजे की बड़ी खेप एंबुलेंस में सिमरोल के रास्ते जाने वाली है। इसके बाद पुलिस टीम भेरू घाट पर तैनात हो गई। निकलने वाली हर एंबुलेंस व इमरजेंसी वाहन पर नजर रखी जाने लगी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी पंजाब, राजस्थान में गांजा सप्लाय करना चाहते थे।

40 लाख है कीमत, जहां पुलिस चेकिंग दिखती तो सायरन बजाकर निकल जाते थे- डीसीपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि शाम के समय एक एंबुलेंस चोरल तरफ से आती दिखी। उस पर आंध्रप्रदेश पासिंग नंबर (एपी-37-टीई-4301) था। देखते ही शंका हो गई कि दूसरे प्रदेश की एंबुलेंस यहां कैसे आ सकती है। जब रुकने का इशारा किया तो चालक सायरन देने लगा। उन्हें लगा पुलिस को इमरजेंसी बताकर निकल जाएंगे। पहले तो वे बरगलाते रहे, जब तलाशी ली तो सीट के नीचे गांजा मिला। यह पैकिंग के रूप में था। उन्हें थाने लाया गया फिर पूछताछ शुरू हुई।एक लाख रुपए एक खेप के- बताया जा रहा है कि आरोपियों को एक खेप पहुंचाने के एक लाख रुपए मिलते हैं। हैरानी है कि एंबुलेंस लेकर वे 1200 किमी का रास्ता तय कर इंदौर आ गए। जहां भी पुलिस चेकिंग दिखती थी, ये सायरन देकर निकल जाते थे। आरोपियों ने कारमपुर में रहने वाले माफिया का नाम कबूला है।इंदौर पहुंचकर पता चलती लोकेशन- आरोपियों का कहना है कि उन्हें नहीं पता माल कहां-कहां सप्लाय करना था। आरोपी बोला कि उनके इंदौर पहुंचने के बाद लोकेशन भेजी जाने वाली थी कि माल कहां और किसे पहुंचाना है।

बाइक पर एमडी ड्रग्स ले जा रहे बदमाश को गिरफ्तार किया

महू-नीमच हाईवे पर बाइक से एमडी ड्रग्स ले जा रहे बदमाश को नारकोटिक्स की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी से 121 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली है। आरोपी का नाम अमन (19) पिता रघुनंदन शर्मा निवासी धम्माखेड़ी, प्रतापगढ़ राजस्थान है। पुलिस ने मुखबिर द्वारा बताए हुलिए के आधार पर युवक को रोका था। उसका मोबाइल और बाइक भी जब्त कर ली गई है। पूछताछ में और खुलासे होने की उम्मीद है।

इंदौर में अर्धनग्न होकर रील बनाने वाली लड़की पर एफआईआर, अश्लील वीडियो हुआ था वायरल,माफी भी मांगी थी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की एक मशहूर चाट-चौपाटी पर एक युवती के छोटे कपड़ों में घूमने से मचे बवाल के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ सार्वजनिक स्थल पर अश्लीलता फैलाने के आरोप में शुक्रवार को मामला दर्ज किया। तुकोगंज पुलिस थाने के प्रभारी जितेंद्र सिंह यादव ने बताया कि 56 दुकान चाट-चौपाटी पर हाल ही में कम कपड़ों में घूमती नजर आई युवती पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 (सार्वजनिक स्थान पर अश्लीलता फैलाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि महिलाओं की कुछ स्थानीय संस्थाओं के साथ ही अलग-अलग सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों ने युवती के इस कृत्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। युवती ने चार दिन पहले इस रील को वायरल करने के बाद आपत्ति आने पर सोशल मीडिया पर माफी भी मांगी थी।यादव ने बताया, ''हमने इन संगठनों के लोगों के बयान भी दर्ज किए हैं। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्थल पर युवती के छोटे कपड़ों में घूमने से अश्लीलता फैली जिससे उनके मन में क्षोभ उत्पन्न हुआ। युवती शहर की 56 दुकान के साथ ही मेघदूत चाट-चौपाटी पर भी कम कपड़ों में घूमती नजर आई थी। उसने इसके वीडियो ''पब्लिक रिएक्शन'' के शीर्षक से खुद सोशल मीडिया पर डाले थे। इन वीडियो के तेजी से वायरल होने पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी, बजरंग दल और अन्य संगठनों के नेताओं ने पुलिस से युवती के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

दो दिनी लता मंगेशकर अलंकरण समारोह

केएस चित्रा और उत्तमसिंह होंगे सम्मानित, मंत्री लोधी, ठाकुर, विजयवर्गीय होंगे शामिल

इंदौर (एजेंसी)। राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण समारोह और संगीत संध्या का आयोजन इंदौर के लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित किया जा रहा है। समारोह में वर्ष 2022 के लिए संगीत-निर्देशन के क्षेत्र में उत्तम सिंह और वर्ष 2023 के लिए पार्श्व गायन के क्षेत्र में सुश्री केएस चित्रा को राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण प्रदान किया जाएगा। आज और कल होने वाले इस समारोह में गीत-संगीत क्षेत्र की दो विभूतियों को राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण से विभूषित किया जाएगा। मुख्य समारोह कल यानी 28 सितंबर को आयोजित होगा। इसमें गीत-संगीत संध्या की प्रस्तुति होगी। इसमें अलंकरण के बाद केएस चित्रा अपने कलाकारों के दल के साथ गीत-संगीत की प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य शासन के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी होंगे। अध्यक्षता महिला सशक्तिकरण और बाल विकास केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर करेंगी। दोनों दिन समारोह शाम 7 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, सांसद कविता पाटीदार और मेयर पुष्यमित्र भार्गव, स्थानीय विधायक गण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

पिता के सामने बेटी को किए अश्लील इशारे

पिता ने दौड़कर पकड़ा, भीड़ ने पुलिस के सुपुर्द किया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भंवरकुआ में 12वीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी ने पिता के सामने ही छात्रा को अश्लील इशारे किए। छात्रा के पिता ने आरोपी का पीछा कर उसे पकड़ लिया। लोगों की मदद से उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया।भंवरकुआ पुलिस के मुताबिक छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने शुभम पुत्र कमल शर्मा निवासी दुर्गा नगर पर केस दर्ज किया है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह 12वीं की पढ़ाई के साथ जॉब भी करती है। गुरुवार रात 10 बजे वह सिटी बस में बैठकर होल्कर कॉलेज के नजदीक बस स्टॉप पर आई। यहीं पर पिता उसे लेने आते हैं।वह सिटी बस से उतरी तो वहां पहले से खड़ा बदमाश छात्रा को अश्लील इशारे करने लगा। ऐसा करते हुए छात्रा के पिता ने देख लिया और दौड़ लगाकर उसे पकड़ लिया। इस दौरान वहां काफी भीड़ जमा हो गई। सभी ने मिलकर बदमाश को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया।

इंदौर के मिल क्षेत्र में महाराजा अग्रसेन का जयंती महोत्सव

इंदौर (एजेंसी)। श्री अग्रवाल समाज पूर्व क्षेत्र द्वारा पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन के 5148वें जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर 2 अक्टूबर को शाम 6 बजे नंदानगर सांई मंदिर से मालवा मिल चौराहा स्थित अग्रसेन धाम तक निकलने वाली भव्य कलश यात्रा की तैयारियों को शुक्रवार को अंतिम रूप दे दिया गया। मालवा मिल अग्रवाल पंचायत भवन पर आयोजित पूर्व क्षेत्र की 30 से अधिक कॉलोनियों के अग्रवाल संगठन के पदाधिकारियों की बैठक में कलश यात्रा मार्ग, स्वागत मंच, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया।बैठक में प्रमुख परामर्शदाता पी.डी. अग्रवाल कांट्रेक्टर, गणेश गोयल, गोविंद गर्ग भमोरी, अजय गोयल, नरेश मित्तल, विजय मित्तल, के.के. गोयल कांट्रेक्टर, सतीश मंगल एवं गोविंद मंगल ने महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए क्षेत्र के अग्रवाल बंधुओं से आग्रह किया कि वे दो अक्टूबर को अपनी-अपनी कॉलोनियों से परिवार सहित शाम 6 बजे तक नंदानगर सांई मंदिर पहुंच जाएंगे। अध्यक्षता शंकरलाल गोयल ने की। बैठक में विभिन्न संस्थाओं की ओर से विनोद बंसल, अजय मित्तल, सत्यप्रकाश अग्रवाल, पवन अग्रवाल बैंक, प्रो. निकेत मित्तल, बाबूलाल गोयल, अश्विन गोयल, अजय अग्रवाल एवं गोविंद गोयल ने भी अपने सुझाव दिए।

30 से अधिक कॉलोनियों के अग्रवाल संगठनों की बैठक में लिए महत्वपूर्ण निर्णय

बरकती सिक्के लुटाएंगी महालक्ष्मी

यह भी निर्णय लिया गया कि नंदानगर सांई मंदिर से मालवा मिल अग्रसेन धाम तक करीब 25 स्वागत मंच लगा कर पुष्प वर्षा एवं आतिशबाजी की जाएगी।

मालवा मिल अग्रसेन धाम पर वृंदावन की प्रख्यात लोक कलाकार वंदनासिंह और उनकी टीम के सदस्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां देंगे, वहीं क्षेत्र के अग्रवाल बंधुओं के बच्चे भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कलश यात्रा में 18 ध्वजारोही घुड़सवार, 501 कलशधारी महिलाएं, फेंसी ड्रेस में सजे बच्चे, गरबा एवं भजन मंडलियां, रथ पर सवार महाराजा अग्रसेन एवं बरकती सिक्के लुटाते हुए महालक्ष्मी भी आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहेंगी।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी

कुलपति नई नियुक्ति तक रहेंगी, सप्ताहभर का समय और मिला

इंदौर (एजेंसी)। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. रेणु जैन को लगभग सप्ताहभर के लिए पद पर बने रहने का अतिरिक्त समय मिल गया है। राजभवन ने इसके लिए पत्र जारी किया है। वैसे शनिवार को उनके कार्यकाल का अंतिम दिन है। नए कुलपति की नियुक्ति तक वे ही जिम्मा संभालेंगी। संभावना है कि 5 से 7 दिन में नए कुलपति के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। 24 साल में पहली बार कोई कुलपति अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने जा रहा है। प्रो. जैन एक साल तक प्रभारी कुलपति भी रहीं। उस लिहाज से 28 सितंबर को उनके 5 साल व दो माह पूरे हो जाएंगे। 25 जुलाई 2019 को प्रो. जैन पहली महिला कुलपति (प्रभारी) बनाई गई थीं।

20 को हुए इंटरव्यू, इंदौर से 4 आवेदक शामिल थे- 20 सितंबर को 12 आवेदकों के इंटरव्यू हुए थे। इसके बाद सर्च पैनल को तीन से चार नाम की पैनल बनाकर कुलाधिपति मंगूभाई पटेल को सौंपना है। फिर उसी में से एक नाम पर मुहर लगेगी। खास बात यह है कि इंदौर से जो आवेदक इंटरव्यू के लिए पहुंचे थे, उन्हीं में से किसी को मौका मिलने की संभावना है। चारों ही अपने-अपने स्तर पर प्रयास में जुटे हैं। इनमें मैथेमेटिक्स विभाग के हेड व प्रभारी कुलपति रहे डॉ. आशुतोष मिश्रा, वर्तमान डीसीडीसी डॉ. राजीव दीक्षित, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के हेड डॉ. कन्हैया आहूजा व आईएमएस के प्रो. डॉ. सचिन शर्मा के नाम हैं।

संपादकीय

भारत के पक्ष में फ्रांस की पैरवी

संयुक्त राष्ट्र संघ (संरासं) की सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत के पक्ष में फ्रांसिसी राष्ट्रपति एमेनुएल मेक्रो की पैरवी काफी मायने रखती है। संरासं की आम सभा में मेक्रो ने भारत की दावेदारी का खुलकर समर्थन करते हुए कहा कि भारत,जापान,जर्मनी और ब्राज़ील को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही अफ्रीका की ओर से नामित अफ्रीकी महाद्वीप के दो देशों को भी इसका सदस्य बनाया जाए। मेक्रो ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की आम सभा की 79वीं बैठक को संबोधित करते हुए सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग की। मेक्रो ने कहा कि जब तक सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अपने हितों को लेकर एक-दूसरे को (प्रस्तावों को) रोकते रहेंगे तब तक आगे बढ़ना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि 'क्या वहां (संरासं) एक अच्छी व्यवस्था काम कर रही है? मुझे ऐसा नहीं लगता। इसलिए आइए संयुक्त राष्ट्र को प्रभावी बनाया जाए। लेकिन इसके लिए और अधिक सदस्य बनाए जाने चाहिए। इसलिए फ्रांस सुरक्षा परिषद के विस्तार का समर्थन करता है।' दरअसल सुरक्षा परिषद के अभी केवल पांच स्थायी सदस्य हैं। ये हैं अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन। यह व्यवस्था द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनाई गई थी। बाद में इसमें कम्युनिस्ट चीन को भी जोड़ा गया। उसमें भी अमेरिका की अहम भूमिका थी। संरासं की स्थापना हुए 80 साल हो चुके हैं, लेकिन सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यों की संख्या जस की तस है, जबकि विश्व में भू राजनीतिक संतुलन काफी बदल चुका है। साथ ही स्थायी सदस्यों की संख्या वर्तमान विश्व की राजनीतिक आर्थिक जरूरतों को पूरा नहीं करती। सुरक्षा परिषद में केवल यूरोप और एशिया का आंशिक प्रतिनिधित्व है, जबकि स्थायी सदस्य के रूप में लगभग सभी महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। दुनिया में करीब 200 देश हैं और आर्थिक सैनिक संतुलन भी बदला हुआ है। जहां तक भारत की बात है तो दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं है, यही अपने आप में विचारणीय है। भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और चौथी सबसे बड़ी सैनिक शक्ति है। लेकिन संरासं के कुछ देश जिनमें चीन, पाकिस्तान खासकर शामिल हैं, नहीं चाहते कि भारत सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनकर और ताकतवर हो। यही कारण है कि भारत की राह में किसी न किसी न रूप में रोड़े अटकाएं जाते हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संरासं में ठीक ही कहा कि यूएन अपने अतीत का कैदी बना हुआ है। उसे इससे बाहर निकलना होगा और 21वीं सदी की जमीनी हकीकत और तकाजों को समझना होगा। भारत सुरक्षा परिषद का 7 बार अस्थायी सदस्य भी रह चुका है। वह दक्षिण एशिया की एक बड़ी ताकत है। यहां यह जानना जरूरी है कि संरासं की सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पाने का नियम क्या है। पहला तो यह है कि संरासं महासभा के दो तिहाई सदस्य भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करें। लेकिन इससे भी कठिन शर्त यह है कि पांचों स्थायी सदस्य भी एकमत होकर उसका समर्थन करें। यही सबसे बड़ा पेंच है। फ्रांस ने तो भारत का खुलकर समर्थन कर दिया है। अमेरिका और ब्रिटेन भी इसके पक्ष में हैं। रूस भी भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन कर सकता है। लेकिन शायद ही कभी राजी हो। शशि थरूर ने अपनी किताब में 1953 के आसपास भारत को संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने का प्रस्ताव मिला था। लेकिन तब प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने यह सीट ताइवान के बाद चीन को देने की वकालत की थी। यह भी ऐतिहासिक गलती और अति उदारता का उदाहरण है।

नजरिया

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बाल अश्लीलता पर कोर्ट का अंकुश कितना प्रभावी

सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े अश्लील वीडियो और कंटेंट डाउनलोड करने, देखने, रखने या उसे किसी को भेजने पर बाल यौन अपराध (पॉक्सो) कानून और आईटी एक्ट के तहत अपराध माना जाएगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा, अगर किसी को ऐसी सम्रगी अनजाने में भी मिली है और वह इसे डिलीट नहीं करता है तो भी पॉक्सो एक्ट की धारा-15 के तहत अपराध होगा। भले ही उस व्यक्ति ने वीडियो किसी को फॉरवर्ड नहीं किया हो। इसके साथ ही चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने उच्च न्यायालय मद्रास का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि बाल पोर्न देखना और डाउनलोड करना पॉक्सो तथा आईटी कानून में अपराध नहीं है। इस न्यायालय ने एक युवक के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले को यह कहकर निरस्त कर दिया था कि उसने बाल पोर्न डाउनलोड तो किया लेकिन किसी को भेजा नहीं था। इसके साथ ही शीर्ष न्यायालय ने देशव्यापी यौन शिक्षा कार्यक्रम चालू करने की नसीहत भी भारत सरकार को दी है। न्यायालय ने पोर्न देखने और रखने को अपराध जरूर माना है, लेकिन इससे बाल पोर्न पर अंकुश लग जाएगा, यह कहना मुश्किल है। क्योंकि पोर्न का कारोबार विश्वव्यापी है और इसके सूत्रधार अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में बैठे हुए हैं।

अंतर्जाल की आभासी व मायावी दुनिया से अश्लील सामग्री पर रोक की मांग सबसे पहले इंदौर के जिम्मेवार नागरिक कमलेश वासवानी ने सर्वोच्च न्यायालय से की थी। याचिका में दलील दी गई थी कि इंटरनेट पर अवतरित होने वाली अश्लील वेबसाइटों पर इसलिए प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ये साइटें स्त्रियों एवं बालकों के साथ यौन दुराचार का कारण तो बन ही रही हैं,सामाजिक कुरूपता बढ़ाने और निकटतम रिश्तों को तार-तार करने की वजह भी बन रही हैं। इंटरनेट पर अश्लील सामग्री को नियंत्रित करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं होने के कारण जहां इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं संख्या भी बेतहाशा बढ़ रही है। ऐसे में समाज के प्रति उत्तरदायी सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह अश्लील प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण की ठोस पहल करें। हालांकि अब इस अपराध पर नियंत्रण के लिए पॉक्सो एक्ट और आईटी कानून में प्रावधान कर दिए गए हैं। न्यायालय ने इनमें कठोरता के नए प्रावधान भी कर दिए हैं।

वस्तुस्थिति यह है कि इंटरनेट पर अश्लीलता का तिलिस्म भरा पड़ा है। वह भी दृश्य, श्रव्य और मुद्रित तीनों माध्यमों में। ये साइटें नियंत्रित या बंद इसलिए नहीं होती, क्योंकि सर्वरों के नियंत्रण कक्ष विदेशों में स्थित हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मायावी दुनिया में करीब 20 करोड़ अश्लील वीडियो एवं क्लीपिंग चलायमान हैं, जो एक क्लिक पर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, फेसबुक, ट्यूटर, यूट्यूब और वाट्सअप की स्क्रीन पर उभर आती हैं। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इंटरनेट पर अश्लीलता की उपलब्धता के यही हालात चीन में भी थे। परंतु चीन ने जब इस यौन हमले से समाज में कुरूपता बढ़ती देखी तो उसके वेब तकनीक से जुड़े अभियतांओं ने एक झटके में सभी वेबसाइटों को प्रतिबंधित कर दिया। गौरतलब है, जो सर्वर चीन में अश्लीलता परोसते थे, उनके ठिकाने भी चीन से जुदा धरती और आकाश में थे। तब फिर यह बहाना समझ से परे है कि हमारे आईटी विशेषज्ञ इन साइटों को बंद करने में क्यों अक्षम साबित हो रहे हैं? चीन यही नहीं रुका, उसने अब गूगल की तरह अपने सर्च-इंजन बना लिए हैं। जिन पर अश्लील सामग्री अपलोड करना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

इस तथ्य से दो आशंकाएं प्रगट होती हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में एक तो हम भारतीय बाजार से इस आभासी दुनिया के कारोबार को हटाना नहीं चाहते, दूसरे इसे इसलिए भी नहीं हटाना चाहते क्योंकि यह कामवर्द्धक दवाओं व उपकरणों और गर्भ निरोधकों की बिक्री बढ़ाने में भी सहायक हो रहा है। जो विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया बना हुआ है। कई सालों से हम विदेशी मुद्रा के लिए इतने भूखे नजर आ रहे हैं कि अपने देश के युवाओं के नैतिक पतन और बच्चियों व स्त्रियों के साथ किए जा रहे दुष्कर्म और हत्या की भी परवाह नहीं कर रहे ? अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और चीन से विदेशी पूंजी निवेश का आग्रह करते समय क्या हम यह शर्त नहीं रख सकते कि हमें अश्लील वेबसाइटें बंद करने की तकनीक और गूगल की तरह अपना सर्च-इंजन बनाने की तकनीक दें? लेकिन दिक्कत व विरोधाभास यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन, कोरिया और जापान इस अश्लील सामग्री के सबसे बड़े निर्माता और निर्यातक देश हैं। लिहाजा वे आसानी से यह तकनीक हमें देने वाले नहीं हैं। गोया, यह तकनीक हमें ही अपने देशज स्रोतों से विकसित करनी होगी।

ब्रिटेन में सोहो एक ऐसा स्थान हैं, जिसका विकास ही पोर्न वीडियो फिल्मों एवं पोर्न क्लीपिंग के निर्माण के लिए हुआ है। यहां बनने वाली अश्लील फिल्मों के निर्माण में ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने धन का निवेश करती हैं, जो कामोत्तेजक सामग्री, दवाओं व उपकरणों का निर्माण करती हैं। वियाग्रा, वायब्रेटर, कौमार्य झिल्ली, कंडोम, और सैक्सी डॉल के अलावा कामोद्दीपक तेल बनाने वाली ये कंपनियां इन फिल्मों के निर्माण में बढ़ा पूंजी निवेश करके मानसिकता को विकृत कर देने वाले कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की कंपनी भी ब्रिटेन को पोर्न फिल्में बेचती थी। यह सी हर 'सेक्स उद्योग' के नाम से ही विकसित हुआ है। बाजार को बढ़ावा देने के ऐसे ही उपायों के चलते ग्रीस और स्वीडन जैसे देशों में क्रमशः 89 और 53 फीसदी किशोर निरोध का उपयोग कर रहे हैं। यही वजह है कि बच्चे नाबालिग उम्र में काम-मनोविज्ञान की दृष्टि से परिपक्व हो रहे हैं। 11 साल की बच्ची रजस्वला होने लगी है और 13-14 साल के किशोर कामोत्तेजना महसूस करने लगे हैं। इस काम-विज्ञान की जिज्ञासा पूर्ति के लिए अब वे फुटपाथी सस्ते साहित्य पर नहीं, इंटरनेट की इन्हीं साइटों पर निर्भर हो गए हैं, उनकी मुट्ठियों में मोबाइल थमाकर हम गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

अश्लीलता का अंतर्जाल

बच्चों के यौन शोषण और उससे संबंधित सामग्री को सोशल मीडिया पर परोसने और प्रसारित करने के मामले में 83 लोगों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो ने चार साल पहले बड़ी कार्रवाई की थी। देश के 14 राज्यों के 76 ठिकानों पर सघन तलाशी का अभियान चलाया था। तलाशी की इस मुहिम से पता चला था कि लगभग पूरे देश में अश्लीलता का यह जंजाल नशे के कारोबार की तरह फैल गया है। यही नहीं अनेक महाद्वीपों में फैले सौ देशों के नागरिक इस गोरखधंधे में शामिल हैं। शहर तो शहर मध्य-प्रदेश के डबरा तहसील के ग्राम अकबई में भी बाल यौन शोषण से जुड़ी अश्लील फिल्में बनाने का कारोबार मिला था। यह अत्यंत चिंता का विषय है। 31 सदस्यों का एक वाट्सएप समूह इस कारोबार का संचालन करता था। पोर्न फिल्में बनाने और उन्हें अनेक सोशल साइट व एप्स पर अपलोड करने के मामले में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को भी मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया था। वे अश्लील फिल्में बनाने, बेचने और इससे धन कमाने के धंधे में शामिल थे। तीन महिलाओं ने उनके विरुद्ध शिकायत की थी। किराए के बंगले में राज कुंद्रा की कंपनी और उनके सहयोगी फिल्में बनाते थे। कुंद्रा की कंपनी आर्म्स प्राइवेट लिमिटेड ने हॉटशाट्स एप बनाया और इसे ब्रिटेन में एक रिश्तेदार के नाम से रजिस्टर्ड कंपनी केनरिन को बेच दिया था। कुंद्रा के साथ काम करने वाली कुछ लड़कियां अंतरराष्ट्रीय पोर्नोग्राफी गिरोह के शिकंजे में भी पाई गई थीं। इस मामले में कुंद्रा को पोर्न फिल्म रैकेट का मुख्य साजिशकर्ता माना था। इस मामले से पता चलता है कि फिल्म, टीवी, सोशल मीडिया और आईटी कंपनियों की अनेक हस्तियां इस नीले कारोबार से जुड़ी हैं। दिल्ली में घटी एक घटना में 27 किशोर दोस्त सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम पर एक समूह बनाकर अपने साथ पढ़ने वाली छात्राओं के साथ सामूहिक बलात्कार की षड्यंत्रकारी योजना बना रहे थे। ये सभी दक्षिण दिल्ली के महंगे विद्यालयों में पढ़ते थे। और 11वीं व 12वीं के छात्र होने के साथ अति धनाढ्य परिवारों से थे। साफ है, स्मार्ट मोबाइल में इंटरनेट और सोशल साइटें बच्चों का चरित्र खराब करने का बड़ा माध्यम बन रही हैं और इस कारोबार में सेलिब्रिटीज शामिल हैं।

संभावना

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

इस साल 1.36 करोड़ से अधिक नौकरियां देगा पर्यटन

आज के समय में पर्यटन रोजगार और संसाधनों के साथ अर्थव्यवस्था की दृष्टि से तेजी से बढ़ता महत्वपूर्ण उद्योग है। पर्यटन क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं विद्यमान है तथा रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। एक ऐसे वक्त जब भारत ही नहीं बल्कि कई देशों के समक्ष रोजगार प्रमुख उद्देश्य, मांग और युवाओं से जुड़े मुद्दे के रूप में सामने आया है तब पर्यटन को उम्मीद भरी निगाहों से देखा जा सकता है। एक शोध के मुताबिक टूरिज्म ट्रेवलिंग में इस साल 1.36 करोड़ अधिक नौकरियां है जो कोविड पूर्व की तुलना में कहीं ज्यादा है। यूएस ट्रेवल टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार वहां इस सेक्टर में करीब 10 लाख पद खाली है। वर्ल्ड ट्रेड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेवल इंडस्ट्री का वैश्विक जीडीपी में योगदान वार्षिक आधार पर बढ़कर रिकॉर्ड 924 लाख करोड़ होने की उम्मीद जताई जा रही है।

भारत की दृष्टि से घरेलू पर्यटन में वृद्धि उत्साहजनक है। भारतीय पर्यटकों में अपने ही देश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक महत्व के स्थानों की यात्रा को लेकर रुचि रुझान में इजाफा हुआ है। बेहतर कनेक्टिविटी, नई हवाई उड़ानों, सुविधाजनक ट्रेनों के संचालन के चलते यात्राएं सुगम हुई है। पर्यटक जोखिम उठाकर भी अपने परिवार और मित्रों के साथ सिक्किम से लेकर जम्मू-कश्मीर, लेह लद्दाख, उत्तराखंड, केरल, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात जैसे पर्यटन प्रमुख राज्यों की यात्राएँ कर रहे हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर जगहों पर इस बार भारी बारिश, भूस्खलन, पहाड़ धसकने, बाढ़ और तूफान की वज़ह से सैलानियों को जोखिम भी उठाना पड़ी। केरल के वायनाड से लेकर हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर, वैष्णो देवी इसके प्रमुख उदाहरण है। कई जगहों पर टूरिस्ट को रेसक्यू किया गया जबकि वायनाड में 400 लोगों के मारे जाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से केरल के पर्यटन पर विपरीत असर पड़ सकता है।

दरअसल भारत में पर्यटन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। यह सही है कि सैर सपाटे के शौकीन लोग पर्यटन को जीवन का हिस्सा मानते हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत में ट्रेवल टूरिज्म सेक्टर आगामी 2028 तक तकरीबन 480 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सबसे कम निवेश पर सबसे ज्यादा रोज़गार पर्यटन सेक्टर ही दे सकता है। ट्रेवल बेनिफिटस एंड कस्टमर एंगेजमेंट के अनुसार 28 से 43 वर्ष आयु वर्ग का ट्रेवल खर्च अन्य की तुलना में लगभग दोगुना है। इस सर्वे में शामिल लोगों में से 90 फीसदी ने बताया कि सालाना फीस वाले किसी भी क्रेडिट कार्ड में एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस उनकी पहली प्रथमिकता है। उधर मेक माई ट्रिप की रिपोर्ट बताती है कि साल में दो बार से ज्यादा विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या 32 फीसदी जबकि तीन बार से अधिक विदेश यात्रा करने वालों की संख्या 37 फीसदी बढ़ गई है।

एक ऐसे समय जब समंदर की गहराई से लेकर अंतरिक्ष तक का रहस्य रोमांच जानने के लिये जल, थल और नभ के पर्यटन के प्रति जिज्ञासा जाग्रत हुई है, इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। पर्यटन में अब चरवाहों की एंट्री से उनकी बल्ले- बल्ले हो सकती है। चरवाहों की जीवन शैली, रहन-सहन को नज़दीक से देखने समझने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय द्वारा एक स्टडी करवाई गई है। इसमें चरवाहा पर्यटन के प्रति एक हजार पर्यटकों तथा स्टेक होल्डर में 80 फ़ीसदी लोगों ने रुचि दिखाई। इसके लिये राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और गुजरात को चुना गया है। स्टडी में अलग-अलग दिनों के टूर पैकेज में पर्यटक चरवाहों के साथ रहेंगे। इस दौरान वे

चरवाहों की दिनचर्या, काम करने के तरीकों, खान-पान और रहन-सहन आदि के बारे में जान सकेंगे। पहले से रूरल टूरिज्म, मेडिकल टूरिज्म,जेल पर्यटन, जल पर्यटन, क्रूज पर्यटन तो चल ही रहे हैं।

जहां एक ओर भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तकनीकी वजह से मझधार में ही फंसे हुए हैं वहीं स्पेसएक्स के पोलारिस डॉन मिशन में बीते 12 सितंबर को दो अंतरिक्ष यात्रियों जैरेड आइजैक मैन और सारा गिलीस ने धरती से 700 किलोमीटर ऊपर स्पेस वॉक पूरी करने का रोमांचक क्षण इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया। स्पेस वॉक के वक्त स्पेस क्राफ्ट की रफ्तार 25 हजार किलोमीटर प्रति घंटा थी। माना जा रहा है कि यह पिछले 50 वर्षों में सबसे ऊंची स्पेस वॉक थी।

याद रहे कि नासा के स्पेस टूरिज्म में 7 यात्रियों को भेजने के सपने को उस वक्त धक्का लगा जब स्टार लाइन में सुनीता विलियम्स और उनके साथी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंस के रह गये। उन्हें वहाँ आठ दिन रुकना था लेकिन अब संभवतः आठ महीने रुकना होगा। इतने समय भारहीन स्थिति में रहना जोखिमपूर्ण है तथा गुरुत्वाकर्षण नहीं होने से रेडिएशन का खतरा भी अधिक रहता है। हालांकि ताजा रिपोर्ट में सुनीता विलियम्स को यह कहते हुए बताया गया है कि उन्हें जल्द धरती पर नहीं लौट पाने का अफसोस नहीं है, उन्हें अंतरिक्ष में रहना पसंद है। वे 5 नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिये स्पेस स्टेशन से ही वोट करेंगी। धन्य है इस महिला का अदम्य साहस जिसके लिये सैल्यूट तो बनता ही है।

इसी क्रम में एक रिपोर्ट के मुताबिक जलवायु परिवर्तन की वज़ह से लास्ट चांस टूरिज्म का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। इसमें सैलानी उन जगहों पर जाना चाहते हैं जो जलवायु परिवर्तन के चलते खतरे में है। इनमें विशेष रूप से दुनियाभर में तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर शामिल हैं। भारत में लद्दाख, लास्ट चांस टूरिज्म के लिये पसंदीदा स्थल बनता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि लद्दाख प्रमुख ग्लेशियरों का घर है। यहाँ पाया जाने वाला हिम तेंदुआ पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र है।

पर्यटन की दृष्टि से इस साल की सबसे बुरी और वीभत्स घटना झारखंड से नेपाल के मार्ग पर जंगल में सड़क किनारे घटी जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इसमें बाइक पर सवार होकर विश्व के कई देशों की यात्रा पर निकले विदेशी दम्पति की पेड़ से बांधकर पिटाई की गई और महिला के साथ कथित गेंग रेप किया गया।लेंग्वेज प्राब्लम के चलते इस घटना की रिपोर्ट दर्ज करने में बहुत वक्त लगा। निश्चित ही ऐसी घटनाएं पर्यटन पर विपरीत प्रभाव डालने के साथ ही सोचने को बाध्य करती है कि आखिर हम किस तरह सैलानियों को सुरक्षित पर्यटन का न्यौता देते हैं। दुष्कर्म की घटनाएं चाहे इंदौर के नज़दीक महू के पर्यटन स्थल जामगेट की हो,भोपाल का स्कूल या फिर कोलकाता से लेकर बदलापुर, सिद्धार्थ नगर, हाथरस,धार्मिक नगरी उज्जैन या रीवा जिले की ओडिशा या देश के किसी अन्य भाग की इनकी जितनी निंदा की जाये कम है। इनसे समाज में दूषित वातावरण बनने के साथ असुरक्षा की भावना बढ़ती है। जाहिर है सैलानियों के फुटफॉल पर भी इसका असर पड़े बिना नहीं रहता , फिर आप कितना भी प्रचार-प्रसार कर लें। पर्यटन वैसे भी शांति और सुकून का विषय है, इसमें जरा भी गफलत इस सेक्टर को पीछे ले जा सकती है।

अब बात अपने अजब-गजब मध्यप्रदेश की।यहाँ रूरल टूरिज्म की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किये जा रहे हैं। इसमें 100 गाँवों का चयन कर 30 गांव में काम शुरू किया गया है। यहां सैलानियों की आवाजाही बढ़ रही है,इनमें विदेशी तथा घरेलू पर्यटक शामिल है। इसके लिये पर्यटन बोर्ड को सर्कोच अवार्ड से टूरिज्म श्रेणी में नवाजा गया है। इस प्रोजेक्ट का संचालन समुदाय द्वारा किये जाने तथा स्थानीय लोगों को रोज़गार का दावा भी किया जा रहा है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिये निर्भया कोष से महिलाओं को बड़ी संख्या में प्रशिक्षण दिया गया है। महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना में प्रशिक्षण के साथ स्कूल कॉलेज की छात्राओं को आत्म सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। उज्जैन में महाकाल लोक के बाद सलकनपुर में देवी लोक, छिंदवाड़ा में हनुमान लोक तथा ओरछा में राम राजा लोक स्थापित किये जा रहे हैं। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है, इसका दावा भी किया जा रहा है। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से उज्जैन में महाकाल के दर्शन और महाकाल लोक देखने सर्वाधिक पर्यटक पहुंचे। प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़कर 785 हो गई है, इस तरह टाइगर स्टेट का खिताब बरकरार है। सरकार का कहना है कि यहां सड़कों पर भी टाइगर विचरण करते हुए मिल जायेंगे। बस, फिलहाल इतना ही।

अजगर करे न चाकरी

कटाक्ष

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सुबह देर से उठने वालों को अलहदी समझ बैठे हैं, तो ये फितूर निकाल दीजिए। कहें तो ये अपमान है तमाम मनुष्य योनि में जन्म लेने वाले अजगरों का, कामचोर होना भी आसान नहीं जितना समझ लिया जाता है। अपने को गैर -जिम्मेदार बनना पड़ता है। कहीं आधी रात को शौच जाना है तो उसे भी रोक लें। सोते-सोते पीठ भी अकड़ जाए तो लेटे-लेटे कुत्तासन कर पीठ की नसें चटका कर फिर सो सकें। अजगर होने के लिए मन-वचन-कर्म से खुद को मनुष्यरूपी केंचुल निकलना पड़ता है। वर्ना क्या हो अगर किसी रोज कोई काम सही से हो जाए।

अजगर होने का सबसे बड़ा फायदा ये होता है कि अगला उम्मीदें रखना छोड़ देता है। वह उम्मीदों पर खरा न उतरने की आत्मग्लानि से बच निकलने का ब्रम्हास्त्र पा जाता है। अच्छा लगता है अजगर को घरवाले चिल्ला-चिल्लाकर किसी काम को कहें और डोंट वरी बी हैप्पी में सोएंगे? अजगर कभी काम के पीछे नहीं भागता क्योंकि काम उसे खुद ढूढ़ने आता है। कपड़ा गंदा होने पर तर्क देता है कि मैं सीधा-साधा बंदा हूँ। विचारों से रंगा हूँ तो फिर रंगीन दिखता हूँ।

अजगर को अक्सर डरपोक और नाकारा प्राणी समझ लिया जाता है, जबकि होता उलट है। अजगर अपने कुंभकरणीय नींद से ताकत जुटाता है। सेटिंग करने के फेर में इतना बहादुर हो चुका होता है कि हर काम का बी प्लान तैयार करे रहता है। अजगर अँधेरी रात में भी चल पड़ता है भूख मिटाने जिसपे दिन में भी जाने के नाम पर कोई भी बगलें झांकने लगता है। भोजन को आतुर रात में भी मजे-मजे निकल जाता है। अजगर का महत्व एक अजगर ही समझ सकता है। इसी सुस्ती में लीन होकर बड़े-बड़े खोज कर देता है। अजगर बनने के लिए ही तो खोज होता है। आराम तलबी की चीजें किसे नहीं सुहाती हैं? बेचारा अजगर तो बदनाम है। आजकल मनुष्य भी आलसियों की जमात में नाम है।

अजगर को मिले मौलिक अधिकार का दर्जा, जिससे देर-सबेर अपना आलस्य प्राप्त कर ले। सच कहा जाए तो अजगर रूपी मन ईश्वर द्वारा मनुष्य को दिया गया वरदान है। अजगरों से भरी दुनिया में शांति है। अगर आप बेहद दर्जे के अजगर हैं और हर वक्त इस गिल्ट में जीते हैं कि आपका सारा दिन पड़े रहने में बीतता है और कोई भी काम आप वक्त पर नहीं करते तो आपको ज़रा-भी शर्मिंदा होने की ज़रूरत नहीं है। अजगर फिलोसाफी मानता है कि मौजूदा समय में दुनिया में जो थोड़ी-बहुत शांति बची है, उसका सारा क्रेडिट अजगर टाइप बंदों को ही जाता है।अजगर बचपन से ही मानकर चलते हैं कि उनका जन्म कुछ महान न करने के लिए हुआ है, क्योंकि अजगर करे न चाकरी और दुनिया करे नौकरी... !

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जब वे महफिल में माइक पर होते हैं !

ने ताजी की रैली हो या कोई समारोह हो या कोई कथा वार्ता हो,एंकर, हर जगह उस छोटे से माइक जिसे भोंगला और चिलम भी कहते हैं, अपनी धीमी आवाज को बुलंद कर हर किसी के कद को ऊंचा कर देते है। अब तो यह हालत है कि माइक का इस्तेमाल छोट-मोटे फल फ्रूट वाले, होजियरी वाले,साड़ी बेचने वालों के साथ गाजर, मूली, बैंगन भी माइक पर बिकने लगे हैं। गांव में माइक की आवाज सुनकर गांव की जगत जीजी बोली ये भोंगला ऐसा बजता है,जिससे गॉव में चिलपौ मच जाती है। पहले दूधवाले का भोपू बजने पर दूध वाले के आने का पता चलता था।

अब तो इस भोपू का तोड़ माइक और भोंगले ने कर दिया है। जिसकी आवाज सड़क से संसद तक, जन्म स्थल से मुक्तिधाम तक,सम्मान समारोह से श्रद्धांजलि तक,मांगलिक कार्यक्रम से नुक्ते घाटे तक, कवि सम्मेलनों से लेकर आम सभाओं तक, गोष्ठियों से लेकर कथा तक, माइक के यानी भोगले के चर्चे है । इसके बगैर न तो जन्म दिवस मनता है न हीं शोक सभा होती है ।

इस पर पंडित शिवनारायण जी बोले माइक यानी भोंगले की महिमा अपरंपार है। बगैर माइक के न तो नेताजी की रैली निकलती है न हीं उनकी आवाज का आगाज होता है। न हीं भोगले में कैद हुई आवाज से ब्रेकिंग न्यूज़ बनती है। पंडित जी बोले माइक के दम और हुनर से मोहल्ले का रामकुमार हुनरमंद हो गया। जब उन्हें माइक का हुनर हासिल हो गया तो माइक थामने पर कहते -

आज भी हर कही छा जाता हैं हमारा रंग,
जब हम महफिल में माइक पर होते है।

रामकुमार के इस माइक की हूनरबाजी से उन्होंने कई कार्यक्रम में बाजी मार ली इस पर सुनील भैया बीच में ही बोल पड़े वे माइक नहीं पकड़ेगे तो कौन पकड़ेगा। यही नहीं रामकुमार जी ने माइक पकड़ पकड़ कर,हर किसी की तारीफ पर कसीदे पढ़ पढ़ कर इज्जत दिलाकर, इज्जत पाली। उन्होनें माइक पर एक माननीय की तारीफ के फूल बांधकर उन्हें वहां पहुंचा दिया जहा वे कभी नहीं पहुंच सकते थे। माइक पर उनकी विरुदावली बता कर, आंखें बिछाकर,आंखें दिखा कर काम करने की शैली का बखान करने पर उस स्थिति में पहुंच गए कि वे जहां भी जाते हैं उनके लिए रेड कारपेट बिछता है। इसके पहले जब तक उन्होने माइक पर उनका गुणानुवाद नहीं किया था तब तक वे रेड लाइट और रेड लाइन पर खड़े थे। लेकिन मेरे माइक के कमाल से अब माइक वाले ,बाइट, के लिए उनके आगे पीछे घूमते हैं।

देखा पढ़ा

धर्मेन्द्र सिंह लोधी

ब्रजेश कानूनगो

क्यों होता है ऐसा अनजान पर्यटकों के साथ

जब मैंने जीवन में पहली बार अकेले लंबी यात्रा की थी, उस यात्रा का एक कटु अनुभव मेरे भीतर अभी तक बसा हुआ है। जब तब वह मुझे दुखी करता रहता है। खासतौर से घुमक्कड़ों के ट्रेवल वीडियो देखते हुए जब उनके साथ कोई स्कैम होता देखता हूं, अपना वह बुरा अनुभव पुनः मन को खिन्न बना जाता है। मैं सोचता हूं कि काश मेरे साथ वैसा ना हुआ होता, उस वक्त मेरे किशोर उम्र मन पर जो गहरी छाप अंकित हो गई थी वह अब तक कायम है, अफसोस है समय की धारा भी उसे धो नहीं सकी।

वर्ष 1977 के आसपास की बात है, हमारी पढ़ाई समाप्त हुई ही थी। हमने यह सोच कर एमएससी कर लिया था कि हमारे नगर के आसपास बड़े पैमाने पर औद्योगिकरण हो रहा था, नए-नए संस्थान खुल रहे थे, नौकरी मिलने की संभावनाएं बनने लगीं थीं। अगर हम केमिस्ट्री में एमएससी कर लेते हैं तो हमें तुरंत कहीं ना कहीं किसी फैक्ट्री में, किसी प्रयोगशाला में नौकरी मिल जाएगी। एमएससी तो हो गया था उसका परिणाम नहीं आया था फाइनल ईयर का। लेकिन डाक तार विभाग में उन दिनों मैट्रिक और हायर सेकेंडरी के अंकों के आधार पर चयन नौकरी के लिए हो जाया करता था। हमारे अंक अच्छे ही आते थे परीक्षाओं में, मैट्रिक और हायर सेकेंडरी में भी जिले में प्रथम विद्यार्थियों में रहे थे। अंकों के आधार पर हमारा चयन हो गया और एमएससी का परिणाम आने के पहले ही हमको डाक विभाग में क्लर्क के पद के लिए चुन लिया गया। प्रशिक्षण के लिए हमें उत्तर प्रदेश के सहारनपुर प्रशिक्षण केंद्र पर जाना था तीन महीनों के लिए। वहां एक बहुत बड़ा प्रशिक्षण केंद्र हुआ करता था जो सहारनपुर शहर से थोड़ा ग्रामीण क्षेत्र में दूर स्थित था, यह परिसर संभवतः पहले सैन्य विभाग के पास रहा था तो वहां उसी तरह का अनुशासन होता था। अब तो बहुत बदल गया होगा, हमने तो फिर पीछे मुड़ के देखा ही नहीं। बहरहाल 3 महीने का हमारा प्रशिक्षण होना था, उसके बाद पोस्टिंग होनी थी। हम कभी घर से निकले नहीं थे मात्र 21 बरस की हमारी उम्र थी, पहली अकेले लंबी रेल यात्रा थी, इंदौर से सहारनपुर तक की।

लेकिन जो मैं बताना चाहता हूं वह सहारनपुर स्टेशन पर उतरने के बाद का प्रसंग है। हमने एक ऑटो रिक्शा लिया, उसको बताया कि हमको ट्रेनिंग सेंटर पर पहुंचा दे, कितने पैसे लेंगे, हमको तो यह भी पता नहीं था कि कितने लगते हैं, कितना किराया होता है, उसने हमको जो बताया हम तैयार हो गए। ट्रेनिंग सेंटर बहुत दूर था, शहर से काफी दूर था, हमको कुछ भी पता नहीं था। उस समय ना तो कोई गूगल मैप होता था ना कोई ऐसी जानकारी लेकर घर से निकले थे। नौकरी मिल जाने की खुशी में हम बस निकल गए थे। रिक्शा हमने बुक कर लिया और उसमें बैठ गए डरते डरते। सुन भी रखा था कि यह क्षेत्र बड़ा बदनाम है, और यहां लूट पाट की बड़ी घटनाएं होती रहती हैं। शहर से बाहर निकलते ही हाइवे जैसा मार्ग आया तो रिक्शा वाले ने रिक्शा से उतारकर पूरा किराया वसूल करने के बाद कहा कि अब आप यहां से कोई अन्य सवारी ले लें। राजा बाबू टाइप जीवन रहा था हमारा, दुनियादारी कुछ समझते नहीं थे, अब क्या करें, भीतर ही भीतर हम घबराते रहे।

पता नहीं रिक्शा वाले पर हमारी परेशान शक्ल का असर हुआ या हमारी मासूमियत के कारण थोड़ी बहुत दया आ गई। तो उसने हाइवे पर गुजर रही एक बैल गाड़ी को रुकवा कर उससे कुछ बात की। बैलगाड़ी में बोरियां लदी थीं और गाड़ी में कार के टायर लगे थे, एक ऊंचा पूरा मजबूत बैल उसे खींच रहा था। उसने गाड़ीवान को कहा कि इस लड़के को वह ट्रेनिंग सेंटर छोड़ दे। मान गया बैलगाड़ी वाला, जो सामान लेकर शहर से बाहर किसी गांव में जा रहा होगा। उस गाड़ी पर हम सवार हो गए। रास्ते में उस गाड़ी वाले ने बताया कि यहां इसी तरह से बाहर से आने वालों को परेशान किया जाता है। रिक्शा वाले ने भी दो तीन गुना किराया मुझसे वसूल कर लिया था। बैलगाड़ी वाले ने रास्ते में पड़ने वाले ट्रेनिंग सेंटर के गेट पर हमे उतार दिया। थोड़ी सी राशि उसे भी हमने देने की कोशिश की किंतु वह लेने को राजी नहीं हुआ।

यह वही घटना थी जिसमे रिक्शा चालक ने गंतव्य तक के पूरे पैसे लेकर वहां तक पहुंचाने का वादा किया था, उसने हमारे साथ धोखा किया था, पर्यटकों की आज की भाषा में मेरे साथ स्कैम हुआ था। आज तक नहीं भूल पाया हूं और मुझे लगता है कि यह लोग अजनबी और मासूम यात्रियों के साथ ऐसा क्यों करते हैं? थोड़ा सा ख्याल करना चाहिए, उनके साथ हमदर्दी से पेश आना चाहिए। जब भी मैं किसी ट्रैवलर को या विदेशी ब्लॉगर को या अन्य भाषा भाषी ट्रैवलर को किसी दूसरे इलाके में ठगा जाता देखता या मूर्ख बनाए जाते देखता हूं तो बड़ी वेदना और ग्लानि भी महसूस होने लगती है।

दिल्ली में जो भी ट्रैवलर आते हैं, यहां के बाजारों, स्ट्रीट फूड चौपाटियों, गलियों आदि का खूब मजा लेते हैं। लाल किले के सामने के बाजार और जामा मस्जिद के आसपास

के बाजार, चांदनी चौक जैसे इन इलाकों में बहुत रुचि से घूमते हैं और वहां के खान-पान को और वहां की चहल पहल, भीड़ भाड़ को भी एंजॉय करते हैं। यहां के लोगों से उत्साह से बातचीत करते हैं और बहुत अच्छा चित्रण करते हैं। कनॉट प्लेस पर भी ये लोग बहुत घूमते हैं।

एक वीडियो हमने देखा था पिछले दिनों। दिल्ली घूमने आया ऐसा ही एक विदेशी पर्यटक खरीददारी कर रहा है और अपने यूट्यूब चैनल के लिए वीडियो बनाते हुए व्लोगिंग भी कर रहा है। हिंदी में बातचीत करने के लिए उसके पास मात्र कुछ वाक्य हैं। नमस्कार,सलाम वालेकुम,कैसे हो? आपका नाम क्या है? आप कहां से हो? इसके अलावा उसे हिंदी में कुछ समझ नहीं आता। संकेतों और मोबाइल के ट्रांसलेट एप से काम चलाने की कोशिश करता है। चाय और लस्सी जरूर पीता है बीच बीच में। बहुत आत्मीयता दिखाई देती है स्थानीय लोगों और पर्यटक के बीच। देखते हुए दर्शक भी भाव विह्वल हो उठते हैं। बड़े सुखद दृश्य होते हैं सामने, जब वह हमारी परंपराओं और खान पान में रुचि दिखाता है। मन गदगद हो उठता है।

पर्यटक जानता है कि दिल्ली के बाजारों में मोल भाव (बार्गेनिंग) काफी होता है। पांच छह गुनी कीमत लेकर विदेशी पर्यटक को सामान बेचते हम अपने सामने देखते हैं। फिर भी पर्यटक वह चीजें खरीदता है। कोशिश करता है कम कीमत पर खरीदने की। विराट कोहली जैसी जर्सी खरीदता है, रेबेन ब्रांड जैसा गॉगल और ब्रांडेड जूते भी। सभी कुछ असली नहीं होते, उनकी नकल होते हैं,उसे भी पता है लेकिन खरीदने के लिए खरीददारी करता है। पहनकर घूमता फिरता है। अन्य स्थानीय ग्राहकों से बाद में पूछता है कि इन जूतों की क्या कीमत होगी? आठ हजार रुपयों के जूते उसने मोल भाव के बाद तीन हजार में खुशी खुशी पहन लिए थे। यह जानकर उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं है कि जूतों की वास्तविक कीमत मात्र पंद्रह सौ रुपए है। उसके पास अपने काम की खुशी है। स्थानीयता और लोगों को जानने और उनसे संवाद करने का सुख और आनंद है।

नए खरीदे महंगे जूते उसे आरामदायक नहीं लग रहे। एक जगह रुककर फिर से पुराने जूते पहन लेता है। अब वह ठीक से घूमने का मजा ले रहा है। सामने एक मोची दिखाई देता है। वह अपने पुराने जूतों को पॉलिश करवाता है। सौ रुपयों में बिल्कुल नए हो जाते हैं पर्यटक के जूते। हुनरमंद मोची टूटी फूटी अंग्रजी बोलता है। समझ भी लेता है। पर्यटक मजदूरी के सौ रुपए देता है उसे और अपने नए खरीदे जूतों की जोड़ी भी उसी मोची को दे देता है उपहार में। कहता है इनका जो उपयोग करना हो, कर लेना।

इस बीच व्लॉगर पर्यटक के कुछ स्थानीय फोलोवर भी वहां इकट्ठा हो गए होते हैं। एक लड़की अचरज से पूछती है ये नए जूते आपने मोची को क्यों दे दिए? ये तो बहुत महंगे हैं। वह बोलता है, ये मेरे किसी काम के नहीं हैं अब। इन्हे पहनने के बाद मैं अपना काम ही नहीं कर पा रहा। इनके काम आ जाएंगे। इन्होंने मेरे पुराने जूते सही दाम लेकर नए कर दिए हैं। नए जूते की खरीददारी में ठगे जाने पर विदेशी पर्यटक को कोई अफसोस नहीं है। उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं है। अपना कैमेरा थामे विडियो बनाता हुआ वह आगे बढ़ जाता है। टीवी स्क्रीन के सामने बैठा मैं ग्लानि से पानी पानी हो जाता हूं। माथे पर तनाव की लकीरें कुछ और गहरा जाती हैं। यह विडंबना ही है कि अजनबियों को ठगे जाने की ये घटनाएं वर्षों पहले भी होती थीं और आज इतनी प्रगति और विकास होने के बाद भी हमारी यह प्रवृत्ति बनी हुई है। जरा सोचिए, ऐसा क्यों है?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

कृषि के प्रति मोहभंग न हो, ऐसे उपाय जरूरी

वैसे तो सदियों से कृषक वर्ग को अन्नदाता के रूप में महिमामंडित किया जाता रहा है, लेकिन पीढ़ियों से कृषि कार्य करने के उपरांत भी आज अधिकांश कृषक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं है। वैसे कृषक वर्ग के दर्द की आवाज को स्वर देने के लिए विभिन्न कृषक संगठन सक्रिय है। लेकिन भरपूर प्रयासों के बावजूद भी कृषकों की आर्थिक स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नजर नहीं आता। आज भी हर एक फसल के दौरान कृषकों को अपनी वाजिब मांग के लिए तमाम तरह के आंदोलन का सहारा लेना पड़ता है। इसके चलते कृषक वर्ग की शारीरिक और मानसिक श्रम शक्ति का ह्रास होने लगता है।

बोवनी से लेकर फसल कटाई और उसकी बिक्री तक उपज की लागत कितनी आएगी और उपज का दाम कितना मिलेगा ? इसका अंदाजा लगाना मुश्किल ही हुआ करता है। मौसम की मार के अतिरिक्त पर्याप्त मात्रा में खाद की आपूर्ति के प्रति अनिश्चितता भी आम कृषकों को संशय के दायरे से बाहर नहीं निकलने देती। ऐसी स्थिति में कृषक वर्ग फसल दर फसल अनिश्चितता के भंवर में उलझकर रह जाता है। कितने आश्चर्य का विषय है कि अन्य वस्तुओं के उत्पादकों की भांति कृषक वर्ग को यह अधिकार नहीं है कि वह विशुद्ध लागत में अपने लाभ का प्रतिशत जोड़ते हुए अपनी फसल का दाम सुनिश्चित कर सके।

व्यवहार में देखा गया है कि जब कोई उचित मांग भी लंबे समय से की जा रही हो, तो उस मांग को गंभीरता से नहीं लिया जाता। ऐसा मान लिया जाता है कि यह कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका त्वरित निराकरण करना आवश्यक हो। दरअसल यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि तमाम राजनेताओं ने कृषक वर्ग को आदतन याचक के रूप में ही लिया है। हालांकि विभिन्न राजनीतिक दल कृषकों की आय दुगुनी करने का लुभावना नारा देकर वोट बटोरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा करते। लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकलता। आज भी कृषक वर्ग को कृषि कार्य की गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न समस्याओं को लेकर संघर्ष करना पड़ता है।

एक प्रकार से कृषक वर्ग के लिए कुछ भी सहज सुलभ नहीं है। यह तो बहुत ही अच्छा है कि कृषक वर्ग की नई पीढ़ी शिक्षा के प्रति तीव्र गति से आकर्षित हुई है। जिसके चलते यह पीढ़ी व्यापार व्यवसाय और रोजगार के अन्य विकल्पों पर भी विशेष ध्यान देने लगी है। इस कारण कृषि या कृषि कार्य पर आश्रित जनसंख्या में संतुलन स्थापित होने लगा है। वरना अब तक तो यही होता आया था कि कृषक वर्ग की हर एक आने वाली पीढ़ी के सम्मुख केवल और केवल कृषि

कार्य का ही विकल्प था। यह सुखद स्थिति है कि कृषक वर्ग की नई पीढ़ी अन्य क्षेत्रों में भी अपने ज्ञान एवं कौशल का परचम लहरा रही है।

दरअसल यह पीढ़ी भलीभांति जानती है कि सदियों से उनके पूर्वज कृषि कार्य करते आए, लेकिन कर्जमुक्त नहीं हो सके। एक प्रकार से कृषि कार्य हर एक कृषक परिवार के लिए उसकी विवशता ही थी। कृषकों के लिए अन्य किसी रोजगार के विकल्प नहीं थे। यह सिलसिला सदियों तक निरंतर चलता रहा। लेकिन अब समय परिवर्तन हो चुका है। अब वह स्थिति नहीं रही कि कृषक वर्ग की आने वाली पीढ़ियां आवश्यक रूप से कृषि कार्य को ही प्राथमिकता दें। यही कारण है कि छोटे-छोटे ग्राम, नगर एवं महानगर में बहुत तेजी के साथ यह पीढ़ी अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय देने लगी है।

इसमें कोई दो मत नहीं कि यह स्थिति सुखद अनुभूति की कारक है। वर्तमान में स्थिति यह है कि व्यापार-व्यवसाय और उद्योग के क्षेत्र में बीते दौर में चंद वर्ग या समूह का ही वर्चस्व रहा करता था, लेकिन अब परिस्थितियां काफी हद तक परिवर्तित हो गई है। इसका साफतौर पर सीधा सा कारण यह है कि कृषक वर्ग की नई पीढ़ी लाभ-हानि के गणित को बखूबी समझने लगी है। ऐसी स्थिति में जब तक स्पष्ट तौर पर कृषि कार्य को लाभ का धंधा नहीं बनाया जाता, तब तक कृषि कार्य पर निर्भर जनसंख्या का प्रतिशत और अधिक कम होता चला जाएगा। अगर दूर की सोचे तो यह भी हो सकता है कि जनमानस में कृषि कार्य के प्रति विरक्ति भाव जागृत होने लगे।

इसका परिणाम यह होगा कि आने वाले दौर में कृषि कार्य में पेशेवर वर्ग की मुख्य भूमिका रहेगी। जो कि निश्चित रूप से अपनी विशुद्ध लागत में लाभ जोड़कर ही अपनी उपज को बिक्री के लिए उपलब्ध करेगी। हालांकि आज यह तथ्य कपोलकलपित लग सकता है, लेकिन कालांतर में ऐसा हो तो किसी को आश्चर्य नहीं करना चाहिए। बेहतर हो यदि सीधे तौर पर कृषि कार्य को लाभ का धंधा बनाने के लिए ऐसे वातावरण का सृजन किया जाएं कि कृषक वर्ग को कभी किसी बात के लिए आंदोलन पर उतारू नहीं होना पड़े।

लता जी जैसा कोई नहीं

लता मंगेशकर की जयंती

रमेश रंजन त्रिपाठी

सात सुर, नव रस, छह राग और उनकी अनेक रागिनियाँ, तार, वायु, आघात और चमड़े के चार तरह के वाद्यों की महफिल में साढ़े नौ दशक पहले लता मंगेशकर के आ जाने से चार चाँद लग गए। छह ऋतुएँ, चार मौसम, बारह महीने, सात दिन, पंद्रह तिथियाँ, दो पखवाड़े, दिनमान की साठ घटियाँ कितनी बार आती-जाती रहीं लेकिन ऐसा पल नहीं आया जब लता जी की आवाज उनके साथ नहीं थीं। अंधेरे को चीरती उषा की लालिमा, धार्मिक स्थलों में गूंजते प्रार्थना के स्वर, अधखिली कलियों पर पसरी हीरे सी चमकती ओस, वर्षा की पहली शीतल फुहार, शिव जी के डमरू से गूंजते अनहद नाद से व्याप्त कैलाश पर्वत की अलौकिक नीरवता, विकलता का शमन करती झंकार, करुण रस की स्निग्धता, सात्विक आनंद की पराकाष्ठा, प्रेम का मर्म, जीवन का सत्व, चैतन्य की अनुभूति, तपस्या का सार, साधना का मुकाम, स्नेह का बंधन, बेकरार दिल का मरहम, क्या-क्या नहीं है लता जी के दिव्य स्वर में? यह लिस्ट इतनी लंबी है कि गिनीज बुक में दर्ज हो जाए।

पार्श्व गायन के क्षेत्र में लता जी के पहले भी अनेक स्वर थे और फिल्मों में उनके पदार्पण के बाद भी बहुत आवाजें आईं। लेकिन न पहले और न बाद में, कोई उनके आसपास भी नहीं पहुँचा। ऐसा केवल तिकड़म या भाग्य भरोसे संभव नहीं होता। शीर्ष मुकाम हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत, अथक साधना और कठोर तपस्या करनी पड़ती है। इसका प्रभाव व्यक्तित्व में झलकने लगता है, ऐसा अनोखा आभामंडल निर्मित हो जाता है कि हर किसी का सिर श्रद्धावनत हो जाए।

लता जी समय की बेहद पाबंद रही हैं। यह सच है कि समय का सम्मान करनेवाले की कद्र वक्त भी करता है। समय अपने खजाने से किसी को आठ दशकों का कार्यकाल यूँ ही नहीं बख्शता। भले ही वक्त ने लता जी की आयु या प्रोफेशनल अवधि की सीमा तय की हो लेकिन उनकी कीर्ति अनंतकाल के लिए और लोगों का प्यार बेशुमार है।

लता जी के गाये गीत वे ही गा सकती हैं और कोई नहीं, क्योंकि शब्दों, धुन और ऑर्केस्ट्रा की नकल की जा सकती है, परंतु उस भावना की कॉपी कोई कैसे कर पाएगा जो उस गाने को कालजयी बनाता है? इस पैमाने पर उनके सभी गाने खरे उतरते हैं। केवल याद दिलाने के लिए कुछ उदाहरण देखिए- ठंडी हवाएँ लहरा के आएँ (नौजवान), तुम न जाने किस जहां में खो गए (सजा), आएगा आनेवाला (महल), अजीब दास्ताँ है ये (दिल अपना और प्रीत पराई), लग जा गले (वह कौन थी), ओ सजना बरखा बहार आई (परख), जिसे तू कबूल कर ले (देवदास), हाय रे वो दिन क्यों न आए (अनुराधा), यूँ हसरतों के दाग (अदालत), जानेवाले से मुलाकात न होने पाई (अमर), जो मैं जानती बिछुरत है सैंया (शबाब), ये शाम की तनहाइयाँ (आह), रसिक बलमा (चोरी चोरी), कहाँ ले चले हो बता दो मुसाफ़िर (दुर्गेशनंदिनी), छुप गया कोई रे दूर से पुकार के (चम्पाकली), वो भूली दास्ताँ लो फिर याद आ गई (संजोग) आदि आदि।

लता जी के कई गीतों का रीमिक्स वर्जन आया और खूब पसंद किया गया। याद करिए, 'समाधि' का काँटा लगा। लता जी ऐसे रीमिक्स वर्जन के खिलाफ थीं। उनका विरोध उचित भी है। रीमिक्स तैयार करने में मेहनत नहीं करनी पड़ती क्योंकि बोल, धुन और गायन का अंदाज तो तैयार मिल जाता है, बस उसे बिगाड़ने में मेहनत करनी पड़ती है। मौलिक गाने की कॉपी करते हुए किसी गायक या गायिका से उसे गवाया जाता है। सबकुछ लाउड बनाकर परोसा जाता है। सुननेवाला अपने अवचेतन मन में बसे ऑरिजिनल गाने की मधुरता की याद में उसे सुनता और पसंद किया करता है। ध्यान देंगे तो समझ जाएंगे कि 'काँटा लगा' के लता जी के गाए मौलिक गाने का जवाब नहीं है। रीमिक्स वर्जन ऑरिजिनल का पासंग भी नहीं है। समझ में नहीं आता कि ऑरिजिनल गाने में छेड़छाड़ की क्या ज़रूरत है? अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाएँ और नया तथा बेहतर गीत तैयार कर बाज़ार में सर्कुलेट कर दें। क्या रीमिक्स का रहस्य इसी बात में यानी नया और बेहतर करने की क़ाबिलियत के सवाल में ही छिपा है?

श्राद्ध पक्ष

पल्लवी सक्सेना

पितृपक्ष और हम

क्या मर जाना ही मुक्ति है...? दोस्तों श्राद्ध पक्ष का आरंभ हो चुका है. यह अर्पण और तर्पण के दिन है. कहते हैं इनदिनों हम सच्चे मन और पवित्र भाव से कुछ भी दान करते है तो हमें हमारे पित्रों का आशीर्वाद प्राप्त होता है. इन दिनों पीपल के वृक्ष के नीचे जल चढ़ाना अपने पित्रों के निमित्त यथा शक्ति ब्राह्मण भोज करना आदि बड़ा ही शुभ माना जाता है. ताकि हम अपने पित्रों को मुक्ति एवं मोक्ष प्रदान कराने का प्रयत्न कर सकें. मृत्यु के बाद क्या होता है यह तो कोई नहीं जानता. लेकिन सोचने वाली बात यह है कि क्या मर जाना ही मुक्ति है ...?

तो मैं कहूँगी हरगिज नहीं कम से कम कलयुग में तो बिलकुल भी नहीं. किन्तु हाँ साधु, संत, महात्मा, सदुरु आदि को छोड़कर, जितने भी लोग मरते है मुझे नहीं लगता कि सभी को मोक्ष मिल जाता है. यूँ भी शायद मुक्ति और मोक्ष में भी अंतर होता है. मुक्ति का अर्थ है एक तरह का छुटकारा जैसे कोई पलंग पर पड़ा इंसान जो घिसट घिसटकर अपनी ज़िन्दगी जी रहा हो और उसकी मृत्यु हो जाये तो उसे कहेंगे मुक्ति मिल जाना कि उसे उसके कष्टों से मुक्ति मिल गयी. परन्तु मोक्ष में ऐसा नहीं है.

मोक्ष एक ऐसी दशा है जहां किसी भी चीज का आभाव नहीं रहता. मोक्ष की कल्पना स्वर्ग-नरक आदि की कल्पना से परे है. स्वर्ग की कल्पना में यह कहा जाता है कि मनुष्य अपने किए हुए पुण्यों का फल भोगने के उपरांत फिर इसी मृत्यलोक में आकर जन्म लेता है. जिससे वह फिर से सांसारिक मायाजाल में फंस जाएगा. लेकिन मोक्ष की कल्पना में यह नहीं है. धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि सभी प्रकार के सुख दुःख और मोह आदि का छूट जाना ही मोक्ष है.

यूँ भी कहते है कलयुग का अर्थ है राहु का युग यन्त्रों का युग और हम आज जो ज़िन्दगी जी रहे है वह भी तो यन्त्रों का ही युग है. जहाँ सभी को सब कुछ तुरंत चाहिए. बिलकुल 'मैगी नूडल्स' की तरह फिर चाहे वह भक्ति हो या शक्ति. लोग चाहते है कुछ दिन की भक्ति में ही उन्हें सिद्धि प्राप्त हो जाये. कोई किसी तरह की छोटी मोटी शक्ति ही मिल जाये. लेकिन उसके लिए कर्म रुपी जप-तप, ध्यान, कीर्तन, कोई नहीं करना चाहता. तो आप खुद ही सोचकर देखिये अधीरता भरे इस जीवन काल में जब कभी कोई मृत्यु को प्राप्त होता है तो क्या बिना किसी मोह या अधूरी इच्छाओं के ही मृत हो जाता है...? जो उसे मरते ही मोक्ष मिल जाये...?

नहीं ना...! आधे से भी अधिक लोग अपने मन में ना जाने कितने मोह, माया, आसक्तियां, लोभ, प्रलोभ लेकर मर जाते है. ऐसे में उन्हें केवल अपने भावी जीवन से मुक्ति मिल जाती है किन्तु कभी मोक्ष नहीं मिलता. क्यूंकि यदि मोक्ष इतनी आसानी से मिल जाने वाली कोई दशा होती तो सदियों से हमारे पूर्वज,ऋषि, मुनि इतना जप, तप, तपस्या और ध्यान नहीं कर रहे होते. लेकिन फिर भी ऐसा कहा जाता है कि इस कलयुग में लाख बुराइयाँ क्यों ना हो. लेकिन इस युग की एक सबसे बड़ी अच्छाई यह है कि इस कलयुग काल में केवल भगवान का नाम ही ईश्वर की प्राप्ति का सबसे सुगम मार्ग है.

हालांकि किस को क्या मिलेगा क्या नहीं, यह सब तो 'भोले नाथ' ही जानते हैं. हम इंसानों की भला क्या औकात जो किसी के लिए ऐसा कुछ कर सकें. लेकिन वो कहते है ना 'इंसान के हाथ में अगर कुछ है, तो वह कर्म है और उसे हर स्थिति में कर्म करते ही रहना चाहिए' और शायद यही सोचकर पितृपक्षों के यह दिन बनाये गए होंगे. ताकि जिन लोगों ने जीते जी कभी अपने अपनों की कोई कदर नहीं की, उनका कभी कोई मान सम्मान नहीं किया, कभी उन्हें जीते जी प्यार नहीं दिया, उनका हमेशा निरादर ही किया, उनके विषय में हमेशा अपशब्द ही कहे, उनका हमेशा ह्रदय आहत ही किया, उन्हें दुःख दिया, पीड़ा दी, उनकी आँखों में अश्रु दिए और अब यही इस दुनिया की रीत बन गयी.

लेकिन फिर भी मृत्यु को प्राप्त होने वालों ने सोचा कि हमारे साथ जो हुआ सा हुआ, लेकिन हमारे बच्चों के साथ, हमारे अपने के साथ कुछ बुरा नहीं होना चाहिए. इसलिए उन्होंने यह पितृ मोक्ष के दिन बना दिए. ताकि संसार को दिखाने के लिए ही सही, शायद उनके वंशज उनकी सदगति के लिए इन पंद्रह दिनों में कुछ अच्छे कर्म कर दें. किसी भूखे को भोजन करा दें या किसी बे जुबान को रोटी खिला देन. ताकि जाने वाले को कोई मोक्ष मिले या ना मिले. किंतु जो जीवित हैं. इसी बहाने उनके हाथों थोड़ा दान धर्म हो जाए. ताकि उनके कर्म सुधर जायें. नहीं..?

याद रखिये मृत्यु को प्राप्त हो जाना या कड़े शब्दों में कहें तो मर जाना मुक्ति नहीं कर्मा या कर्म है मोक्ष का मार्ग. यदि आप इस सांसारिक मोह माया से हमेशा के लिए छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको मुक्ति की नहीं मोक्ष की आवश्यकता होगी और यदि आप बार-बार जन्म लेकर इस धरती पर आना चाहते है तो एक निश्चित समय अवधि के पश्चात् आपको मुक्ति की तलाश होगी. चुनाव आपका है क्यूंकि आपके कर्म ही यह तय करेंगे की आपको कितनी बार अलग-अलग रूपों में इस धरती पर जन्म लेना है और वैसे भी 'जैसे कर्म करेगा वैसा फल देगा भगवान' यह है गीता का ज्ञान.

बाकी तो किस के कर्म कैसे थे और उसे ईश्वर में विलीन होने के बाद क्या मिला क्या नहीं मिला, यह तो आज तक कोई नहीं जान पाया ना कभी कोई जान पायेगा. किन्तु हाँ हम सब एक अच्छा इंसान होने के नाते अपने सभी परिजनों की दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए 'जिन्हें हम जानते है उनके लिए भी और जिन्हें हम नहीं जानते उनकी मुक्ति के लिए भी' ईश्वर से इतनी प्रार्थना तो कर ही सकते हैं कि उन सभी को ईश्वर अपने श्री चरणों में स्थान दे.? शांति

जिले की एकमात्र शा. हिंदी,उर्दू शाला को मिली उर्दू शिक्षिका, क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं : विधायक देशमुख

बैतूल / मुलताई। मुलताई नगर के नाका नंबर एक पर स्थित जिले की एकमात्र शासकीय हिंदी उर्दू माध्यमिक विद्यालय में वर्षों बाद उर्दू विषय की शिक्षिका को पदस्थ किया गया है। जिले के एकमात्र उर्दू स्कूल का यह दुर्भाग्य रहा है कि बरसों से यहां पर उर्दू शिक्षक की कमी रही है। जिसकी लंबे समय से मांग की जाती रही है जो विधायक चंद्रशेखर देशमुख के प्रयासों वर्षो बाद पूरी हुई है। हालांकि यह पद स्थापना भी अस्थाई है वर्तमान समय में उर्दू स्कूल में उर्दू की शिक्षक की कमी को देखते हुए फरहत अली जो की ग्राम हीवरा में पदस्थ थी को अस्थाई रूप से शासकीय हिंदी उर्दू माध्यमिक विद्यालय मुलताई में पदस्थ किया गया है। इस अवसर पर हिंदी उर्दू स्कूल में विधायक और जनप्रतिनिधियों का आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शाला के छात्र-छात्राओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पालको एवं गणमान्य नागरिकों ने उर्दू शिक्षक की नियुक्ति के लिए विधायक देशमुख का आभार व्यक्त करते हुए हिंदी उर्दू स्कूल की अन्य समस्याओं से अवगत कराया इस अवसर पर विधायक देशमुख ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अभी हम उर्दू शिक्षक की वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं किंतु शीघ्र ही उर्दू शिक्षक की स्थाई नियुक्ति कर इस समस्या का समाधान किया जाएगा साथ ही शिक्षा विभाग के पोर्टल में हिंदी उर्दू शिक्षक की नियुक्ति संबंधित रिकार्ड को भी सुधारा जाएगा। उन्होंने कहा है कि स्कूल संबंधी अन्य समस्याओं के समाधान के लिए इंजीनियर को भेज कर इसका एस्टीमेट बनाया जाएगा और स्कूल की सभी समस्याओं का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में प्रतिभाओं का अभाव कभी नहीं रहा है किंतु उन्हें शिक्षा संबंधी सही लाइन नहीं मिल पाती जब किसी भी परिवार का एक बच्चा पड़ता है तो संपूर्ण परिवार आगे बढ़ता है। हाजी सलीम खान ने कहा कि जिन लोगों के प्रयासों से जिले के एकमात्र हिंदी उर्दू स्कूल की स्थापना 1985 में हुई थी आज उसमें से अधिकांश लोग नहीं है स्कूल प्रारंभ करने में हमें कोई समस्या नहीं हुई थी किंतु उसके बाद से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को लेकर अब तक संघर्ष चल रहा है। भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला कोषाध्यक्ष जाफर पटेल ने उर्दू शिक्षक की नियुक्ति के लिए विधायक देशमुख का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष गणेश साहू, बीआरसी आशीष चंद्र शर्मा, शाला प्रमुख वर्षा खरे, मुन्ना मिस्त्री, आबिद भाई, आरिफ भाई पेंटर शाला स्टॉप उपस्थित था।

मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना के तहत हुआ ई राशन कार्ड का वितरण

ताप्ती वार्ड के 57 हितग्राहियों को मिला ई राशन कार्ड

बैतूल / मुलताई। मुलताई नगर के ताप्ती वार्ड के 57 हितग्राहियों को ई राशन कार्ड का वितरण किया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा

अधिनियम 2013 अनुसार लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना अंतर्गत खाद्य सुरक्षा पात्रता पर्ची, ई राशन कार्ड वितरण के लिए आज मुलताई नगर पालिका में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें ताप्ती वार्ड के कुल 57 हितग्राहियों को ई राशन कार्ड वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गढ़ेकर, सभापति महेंद्र पिल्लू जैन, रितेश विश्वकर्मा, शिल्पा शर्मा, कुसुम पवार, ताप्ती वार्ड पार्षद निर्मला उबनारे एवं राशन कार्ड प्रभारी श्वेता राउत मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ताप्ती वार्ड पार्षद निर्मला उबनारे द्वारा वार्ड में प्रत्येक हितग्राहियों के घरों पर जाकर, उन्हें अपने साथ नगर पालिका लाकर, उनके फार्म भरवा गए थे और सभी हितग्राहीयो के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। फिलहाल 57 हितग्राहियों को ई राशन कार्ड वितरण किया गया है, ताप्ती वार्ड से करीब 120 हितग्राहियों को ई राशन कार्ड वितरित किए जाने हैं। वहीं मुलताई नगर में करीब 333 हितग्राहियों को इसका लाभ मिलना है।

स्थानांतरित 4 कर्मचारियों द्वारा सरकारी आवास खाली न करने पर, उनके वेतन से किराया वसूली के आदेश जारी

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उईके ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के 4 कर्मचारियो द्वारा स्थानांतरण होने के बावजूद भी शासकीय आवास खाली नहीं किए गए थे, इसलिए उनके वेतन से मकान किराया वसूली के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्थानांतरित कर्मचारी अखिलेश मालवी से 37 माह का किराया लगभग 2 लाख 58 हजार 260 रूपए वसूल किया जाएगा। जबकि रंजना खोबरागड़े से 14 माह का किराया 97 हजार 720 रूपए, अनुसुईया चौरिया से 14 माह का किराया 97 हजार 720 रूपए, प्रतिमा राजपूत से 14 माह का किराया 97 हजार 720 रूपए उनके वेतन से वसूल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के वेतन से वसूल की गई इस किराया राशि को चालान द्वारा शासकीय मद में जमा किया जाएगा।

नशा मानव जीवन को मूल्यहीन बनाता है : ब्रह्माकुमारी अर्चना

बैतूल। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उर्वशी ग्लोबल प्ले एंड हाई स्कूल आठनेर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारी संस्थान से आई हुई अर्चना बहन ने सभी को नशे से

होने वाले नुकसानों के बारे में बताया एवं अपने जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार का नशा न करने की पहल की। उन्होंने बताया कि नशा करने से हमें कई प्रकार के नुकसान होते हैं। जैसे चारित्रिक नुकसान, आर्थिक नुकसान, नशे के कारण व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता भी कम हो जाते हैं। जिससे वह सही समय पर सही निर्णय नहीं ले पाते बहन ने बताया की इन बुराइयों से मुक्त होकर हमें अपने जीवन को नैतिक मूल्यों से भरपूर करना है। अतः कार्यक्रम के अंत में ब्रह्माकुमारी अर्चना बहन ने सभी को नशा न करने की एवं अपने समाज को नशा मुक्त बनाने की प्रतिज्ञा दिलवाई कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल भावना नरवरे, ममता डांगे, ममता झाडे, जगदीश जीत पूरे आयुष आजाद, छाया कापसे, रूपाली आवठे, संगीता कावड़कर वैशाली लहर पूरे संतोषी कनाठे, नूपुर लोखंडे, युक्ति घोरसे, आस्था सिके, दीपा साहू, श्वेता लोखंडे, सोनम पंडाग्रे, प्रीति मगरदे, निशा लहरपुरे, आरती बारस्कर, मोनिका पाटणकर, निकिता गवहाडे, सुमन अड़लक एवं लगभग 350 विद्यार्थी शामिल रहे।

वन विभाग में हुए तबादले

सीसीएफ का तबादला, एक डीएफओ भी बदले

बैतूल। मध्य प्रदेश शासन के वन विभाग के सचिव के आदेशानुसार शुक्रवार 27 सितम्बर को जारी हुए तबादला आदेश की सूची जारी हो गई है। वन विभाग ने भारतीय वन सेवा के करीब दो दर्जन से अधिक अधिकारियों को इधर से उधर किया है। इसमें बैतूल सीसीएफ पीएन मिश्रा को आखिर जनप्रतिनिधियों की नाराजगी और विवादित कार्यप्रणाली के कारण कुछ माह में ही हटा दिया गया है। उनके स्थान पर भारतीय वन सेवा 2010 बैच की बाशु कनौजिया को वन संरक्षक और पदेन वन मंडलाधिकारी उत्तर सामान्य वन मंडल से बैतूल का नया सीसीएफ बनाया गया है। इसी तरह नवीन गर्ग को उप वन संरक्षक, मधय प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल से डीएफओ उत्तर वन मंडल बैतूल बनाया गया है।

प्रभारी सचिव श्री केसरी 4 अक्टूबर को बैतूल में विकास कार्यो की समीक्षा करेंगे

बैतूल। प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा नर्मदापुरम संभाग के प्रभारी अजीत केसरी आगामी 4 अक्टूबर को विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि यह बैठक कलेक्ट्रेट बैतूल के सभाकक्ष में दोपहर 1 बजे से आयोजित होगी। बैठक में संभाग के हरदा, नर्मदापुरम और बैतूल तीनों जिलों के कलेक्टर्स के साथ-साथ जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

पोषण प्रदर्शनी में सांवा की इडली और मुनगे के पराठों ने बटोरी वाहवाही

● ग्रामीण रसोई के स्टार बने मुनगे के पराठे और सांवा की इडली ● भारत भारती में राष्ट्रीय पोषण माह का हुआ आयोजन ● पौष्टिक आहार के साथ महिलाओं ने जीते पुरस्कार ● अतिथियों ने की महिलाओं की रचनात्मकता की सराहना

बैतूल। एकीकृत बाल विकास परियोजना बैतूल ग्रामीण के सेक्टर बैतूल-2 अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र जामठी-2 में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन भव्य तरीके से किया गया। यह कार्यक्रम अंबेडकर भवन भारत भारती में संपन्न हुआ, जिसका शुभारंभ जनपद सदस्य श्रीमती कचरा भूमरकर, सरपंच पुलूराम वाड़िवा और सहयोगिनी मातृ समिति की अध्यक्ष श्रीमती नीतू जोंजारे ने मां सरस्वती और अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया।

अतिथियों का स्वागत करने के बाद, क्षेत्रीय पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना तिवारी ने कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री से पौष्टिक भोजन बनाने के तरीकों पर चर्चा की और मुनगे को बहु-उपयोगी बताते हुए इसे दैनिक आहार में शामिल करने की सलाह दी। इसके साथ ही, मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत पाक्सो, घरेलू हिंसा, और 'गुड टच-बेड टच' के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में पोषण प्रदर्शनी रही, जिसमें महिलाओं ने मोटे अनाज और टीएचआर से बने व्यंजन प्रदर्शित किए। इस प्रदर्शनी में झगड़िया निवासी रामकली ने संतुलित थाली बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कढ़ाई गांव की फूलमत ठाकरे ने सावा की इडली और ज्वार की खिचड़ी बनाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर लापाझिरी की इंदिरा हजारे ने टीएचआर के लड्डू और मरामझिरी की अंजलि सातनकर ने मुनगे के पराठे बनाकर सबका दिल जीता। सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में हाई स्कूल के शिक्षक श्री गावंडे ने भी संबोधन किया, जिसमें उन्होंने पौष्टिक आहार के महत्व पर जोर दिया। अंत में, क्षेत्रीय पर्यवेक्षक अर्चना तिवारी ने पियर लीडर के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम में सेक्टर की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं, हाई स्कूल के शिक्षक चिरौंजी भूमरकर और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाया। इस आयोजन ने ग्रामीण क्षेत्र में पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टास्क फोर्स ने कोयलारी बीट का अतिक्रमण हटाया

वन विभाग और प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई, सिरघाट विस्थापितों ने किया था अतिक्रमण

बैतूल। जिले के कोयलारी बीट के कक्ष क्रमांक आरएफ 160 में सिरघाट के विस्थापितों का जिला टास्क फोर्स ने अतिक्रमण हटाने के लिए शुक्रवार 27 सितंबर को वन सुरक्षा समिति कोयलारी की अगुवाई में एक बड़ा अभियान चलाया गया। यह अतिक्रमण सिरघाट से विस्थापित किए गए उन लोगों द्वारा किया गया था, जिन्हें शासन द्वारा विस्थापन के समय मुआवजा दिया गया था। इतने लंबे समय बाद, जिला स्तरीय टास्क फोर्स की उपस्थिति में इस अतिक्रमण को हटाया गया।

इस मुहिम में वन सुरक्षा समिति के साथ वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के बल की सक्रिय भागीदारी रही। जिला स्तर की टास्क फोर्स की कड़ी निगरानी में इस अतिक्रमण हटाने के अभियान को अंजाम दिया। इस अतिक्रमण को शांतिपूर्ण तरीके से हटाया गया, जिसमें अतिक्रमणकारियों ने भी सहयोग किया और स्वयं अपना सामान हटाकर स्थल खाली कर दिया।

सिरघाट के विस्थापितों का शांतिपूर्ण सहयोग- 56 वर्ष पहले सिरघाट से विस्थापित किए गए इन लोगों को शासन द्वारा मुआवजा दिया गया था, लेकिन उन्होंने वन विभाग की कोयलारी बीट के आरएफ 160 कक्ष में अवैध रूप से अतिक्रमण कर टपरे बना लिये थे जब जिला टास्क फोर्स द्वारा यह मुहिम शुरू की गई, तब अतिक्रमणकारियों ने बिना किसी विरोध के अपना सामान समेट लिया और शांतिपूर्वक तरीके से अतिक्रमण हटाने में सहयोग दिया।

वन विभाग और पुलिस की उपस्थिति में कार्रवाई- अतिक्रमण हटाने की इस मुहिम में एसडीएम शाहपुर, तहसीलदार शाहपुर, प्रभारी एसडीओ आईएफएस बैतूल, एसडीओपी शाहपुर, टीआई शाहपुर और भौरा थाना प्रभारी की मौजूदगी रही। इस सामूहिक कार्रवाई में पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसने पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित और शांति बनाए रखते हुए संपन्न कराया।

भीमपुर जनपद सदस्य ने की क्षेत्र में सड़क एवं पुलिया निर्माण की मांग

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। आदिवासी बाहुल्य जिला बैतूल में दर्जनों ग्राम आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जिनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। यहां ग्रामीण सुविधाओं के लिए वर्षों से सिर्फ मांग कर रहे हैं, लेकिन इनकी मांगों को जमीनी स्तर पर नहीं उतरा जा रहा है। जिसके कारण वनांचलों के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले के कई ग्राम मुख्यालय से कटे हुए हैं, जहां ग्राम तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क का भी अभाव है, जिसके कारण बारिश के चार माह इनके लिए वनवास से कम नहीं रहते है। आवागमन में यहां के लोगों को काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों को हो रही परेशानियों को देखते हुए जनपद पंचायत भीमपुर के जनपद सदस्य पप्पू काकोडिया ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर श्र नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में सड़क एवं पुलिया निर्माण किए जाने की मांग है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि जनपद पंचायत भीमपुर की ग्राम पंचायत पलासपानी के कोहकाढाना में 400 मीटर सीसी रोड मुख्य मार्ग पर स्वीकृत किया जाए। ग्राम पंचायत पलासपानी के महढाना से बैरागड़ तक 2 किलोमीटर मीटर सीसी निर्माण कार्य किया जाए। ग्राम पंचायत पलासपानी से गुरवाबाबा बैरागड़ में 400 मीटर सीसी रोड निर्माण किया जाए। ग्राम पंचायत भीमपुर के छिंदीखापा में 400 मीटर सीसी रोड स्वीकृत किया जाए या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण किया जाए। इसके अलावा ग्राम पंचायत भीमपुर के बेहडाढाना से इमलीढाना मार्ग पर धरयाव धुर्वे के खेत के पास पुलिया निर्माण किया जाए।

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत जिले के 554 गांव का होगा विकास

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा जनजातीय बाहुल्य ग्रामों को पूर्ण रूप से विकसित करने तथा चरणबद्ध विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को केन्द्रीय मंत्री मंडल द्वारा हाल ही मंजूरी दी गई है। अभियान के तहत गांवों का सुनियोजित विकास किया जाएगा। जिले में योजना के तहत 10 विकासखंड के 554 गांव शामिल है, जिनको इस योजना में विकसित किया जाएगा। फिलहाल इसमें 25 प्रकार की गतिविधियां शामिल की गई है, जो जनजातीय लोगों को बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि के साथ ही उनकी मूलभूत आवश्यकताओं और सुविधाओं की पूर्ति के लिए सहायक होगे। इसके अंतर्गत 17 विभागों द्वारा समन्वय से कार्य किया जायेगा और प्रत्येक मंत्रालय विभाग द्वारा आगामी 5 वर्षों में अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना के तहत उन्हें आवंटित बजट के माध्यम से समयबद्ध तरीके से योजना का क्रियान्वयन होगा। इस अभियान के तहत प्रमुख रूप से 4 लक्ष्यों का निर्धारण किया गया है, इसमें जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में सक्षम बुनियादी ढांचे का विकास, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, अच्छी शिक्षा तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करना तथा स्वस्थ जीवन के साथ ही सम्मानजनक जीवन की धारणा को सुनिश्चित करना शामिल है।

दो गुमशुदा बालकों को 6 घंटे में खोजकर परिजनों को किया सुपुर्द

बैतूल/शाहपुर। थाना शाहपुर ग्राम ढोढर मऊ, चौकी भौरा के रहने वाले दो बालक आदर्श पिता सुनील धुर्वे उम्र 12 वर्ष एवं अंशुल पिता मंशु परते उम्र 12 वर्ष, दोनों बच्चे स्कूल के लिए निकले थे, जो स्कूल न जाकर कही और चले गये थे। दोनों बच्चे शाम तक घर नहीं पहुंचने पर उनके परिवार जनों ने आसपास के बच्चों से पूछताछ की, बच्चो को गांव में तलाश किया तथा आसपास के गांव के लोगों, रिस्तेदारो से भी फोन में पुछताछ को गई। गुम हुए बच्चों का कहीं पता नहीं चलने पर कक्षा शिक्षकों से भी पूछा गया लेकिन दोनों बालकों का कहीं पता नहीं चलने पर परिजनों ने इसकी सूचना तत्काल भौरा चौकी पहुंचकर चौकी प्रभारी संदीप परतेती को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी द्वारा दो बालकों की गुमसुदगी की सूचना पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल झारिया, अनुविभागीय अधिकारी

पुलिस शाहपुर मयंक तिवारी एवं थाना प्रभारी शाहपुर जयपाल इवनाती को दी गई। पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शाहपुर एवं थाना प्रभारी शाहपुर एवं चौकी प्रभारी संदीप परतेती को दोनों गुमशुदा बालकों की तलाश पतरसी हेतु तत्काल टीम रवाना करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही तत्काल सोशल मीडिया-व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से दोनों बालकों की फोटो ग्रुप में भेजकर लोगो से जानकारी एकत्रित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। निर्देशानुसार चौकी प्रभारी द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से एवं थाने की टीम से आसपास के क्षेत्र में गुमशुदा बालकों की तलाशी करवाई गई। सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई की दोनों बालक जीआरपी इटारसी में होना पाए गए। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार तत्काल चौकी से टीम को इटारसी के लिए रवाना किया गया एवं दोनों बालकों की दस्तयाब की गई तथा उन्हें कुशल लाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस की सक्रियता एवं तत्काल कार्रवाई किए जाने से ही दोनों गुम बालकों का दस्तयाब किया जाना संभव हो सका। पुलिस की इस सहयोगात्मक कार्यवाही के लिए दोनों बालकों के परिजनों द्वारा पुलिस का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया गया है।

तर्पण के पहले सफाई - माफी क्या काफी

नर्मदापुरम। आखिर हमारे पुरखों को जो आज तक मिल रहा वो उनके मौन नज़र अंदाज़ करने का जल है और आगे हमें जो मिलेगा वो हमारे मौन नजरंदाज करने का मिलेगा। विश्व प्रसिद्ध व्हीआईपी सुरक्षित संरक्षित सेठानी घाट से लगकर वर्षों से 360 दिन तो नगर भर का दूषित गंदगी युक्त निस्तारी पानी लगातार नर्मदा में झरने के भांति गिरकर मिलता रहता है। दिवंगत डॉ जेपी पल्हर्य की सोच नर्मदा में प्रदूषित गंदा पानी नहीं मिले उसे लेकर गोष्ठियां, राजनेताओं से मिलकर इस असंभव कार्य को संभव बनाने की कोशिश आज भी सफल नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री रहे अर्जुन सिंह के समय जरूर उन्हें अपने इस दिशा में सफलता मिली, सांसद रामेश्वर नीखरा के प्रयास का प्रतिफल दिखाई दिया। नाले घाट के नाले से नर्मदा में गिरने वाला गंदा पानी लिफ्टिंग कर दूर भीलपुरा क्षेत्र

के आगे शोधन कर छोड़ने के प्रयास में अंडर ग्राउंड डाली गई पाइप लाइन कुछ समय कारगर साबित रही फिर ढाक के तीन पात.. सभी इस नाले को रोकने को लेकर नई कवायद, प्रतिज्ञा, तकनीक प्रयोग क्या कुछ नहीं किया लेकिन नर्मदा जयंती के लिए पांच दिन (पूरे मोहल्ले के पानी सप्लाई कटौती कर) रोककर बाकी 360 दिन केवल तकातकी करते निकालते हैं। कुछ नजरें इस विषय पर लगातार बनी रहती संबंधितों को आए दिन इस मामले का हल निकलवाने के लिए सलाह, कटाक्ष क्या कुछ नहीं करते लेकिन राजनीति की मोटी खाल पर कोई असर नहीं, नगरपालिका अध्यक्ष रहे अखिलेश खंडेलवाल तो आज तक नंगे पैर रहकर एक तरह जूते चप्पल नहीं पहनकर पैसे बचा रहे पर इस दशा से निकालने का हल नहीं ढूढ़ पा रहे...।

छतरपुर में होगी दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता

नगर के गौतम अहिरवार संभागीय दिव्यांग क्रिकेट टीम कप्तान

सुबह सवेरे सोहागपुर। छतरपुर में मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाली दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता 29 सितंबर में होगी। इस प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस लाइन छतरपुर में संपन्न होगा। इस प्रतियोगिता में नर्मदापुरम संभाग दिव्यांग क्रिकेट टीम के कप्तान नगर के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दिव्यांग क्रिकेटर गौतम अहिरवार टीम में मुख्य भूमिका निभाएंगे। श्री अहिरवार ने बताया कि इस टीम में विनीत यादव एवं बाबूलाल यादव इटारसी,अमन श्रीवास्तव एवं मनोज पाराशर नरसिंहपुर, अभिषेक ठाकुर, जितेन्द्र बाथरे, शिवकुमार पटैल, मुकेश पटैल,गौतम अहिरवार सोहागपुर, जितेन्द्र चौरसिया भोपाल आदि नर्मदापुरम टीम में अपना जौहर दिखाएंगे। उक्त आश्य की जानकारी गौतम अहिरवार ने सुबह सवेरे प्रतिनिधि को दी।

सेन समाज की मासूम के साथ हुई दरिंदगी के आरोपी को फांसी की मांग

देवास/मोहन वर्मा। प्रदेश में आए दिन दुष्कर्म की घटनाएं बढती जा रही है। हवस के शिकारी मासूम बच्चियों को शिकार बना रहे है। दुष्कर्म की बढती घटनाओं पर रोक लगाने हेतु कडे कानून बनाने की सख्त आवश्यकता है। विगत दिनों प्रदेश के हरदा जिले में इसी प्रकार की घटना घटित हुई। जिसमें सेन समाज की एक मासूम के साथ दरिंदगी का सनसनीखेज मामला सामने आया। यहां एक दरिंदा पांच साल की बच्ची को बहला-फुसलाकर नदी किनारे ले गया और वहां उसके साथ घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। इस घटना के सामने आने के बाद परिजनों और सेन समाज के लोगों में भयंकर आक्रोश व्याप्त है।

सेन युवा संगठन नगर अध्यक्ष अनिल वर्मा ने बताया कि घटना के विरोध में शुक्रवार को समस्त सेन समाज और सेन युवा संगठन ने मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नारेबाजी कर ज्ञापन दिया। समाजजन सर्वप्रथम सेन समाज धर्मशाला में एकत्रित हुए। वहां से एसपी ऑफिस पहुंचे। एसपी कार्यायल में बलात्कारी को फांसी दो..., बालिका पर अत्याचार नही सहेगा सेन समाज... आदि नारेबाजी कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि हरदा जिले के छीपाबड़ थाना क्षेत्र में 23 सितंबर की शाम को खारी टिमरनी चौकी रोशनी, किल्लौद, जिला खण्डवा निवासी सुनील पिता जयनारायण जाति कोरकू उम्र 22 वर्षीय आरोपी पांच साल की बच्ची को नदी किनारे ले गया। इसके बाद उसने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। घिनौनी वारदात के दौरान दर्द से कराहती और रोती हुई बच्ची की आवाज एक राहगीर ने सुनी। बच्ची की आवाज सुन जब राहगीर उसकी ओर बढ़ा तो आरोपी वहां से भाग निकला। दरिंदगी के बाद से मासूम सिराली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती है, जहां उसका इलाज चल रहा है। दरिंदगी करने वाला आरोपी खंडवा जिले का रहना वाला है, जो एक महीने पहले ही जेल से छूटकर आया है। सेन समाज मांग करता है कि शीघ्र ही आरोपी को गिरफ्तार कर फांसी दी जाकर आरोपी के मकान पर बुलडोजर चलाया जाए। ज्ञापन के दौरान अशोक चौहान, कचरूलाल वर्मा, रामेश्वर राठौड, रामेश्वर नागेश, दिनेश श्रीवास, प्रदीप सेन, समाज अध्यक्ष महेश बोडाने, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष जीतु चौहान, पूर्व नगर अध्यक्ष राकेश वर्मा, नगर सचिव अजय परमार, नगर संयोजक अशोक वर्मा, नगर सह संयोजक राकेश वर्मा, नगरमंत्री अजय वर्मा, चेतन राठौड, अरूण परमार, अजय श्रीवास, हरिश श्रीवास, नितेश सेन, राकेश श्रीवास, राहुल राठौड, हेमू वर्मा, ओमप्रकाश सेन, गोपाल वर्मा, रूपेश वर्मा, भावेश सेन, गौरव सेन, गौरव श्रीवास, सुनील वर्मा, धीरज सेन सहित बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

संकुल प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में शामिल हुई कलेक्टर

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले डाइट सभाकक्ष में गुरूवार को आयोजित संकुल प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में शामिल हुई। उन्होंने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षक का दर्जा अपने आप में महत्वपूर्ण है। शिक्षक समाज में उच्च

आदर्श स्थापित करने वाला व्यक्तित्व होता है।शिक्षक ही अपने विद्यार्थी का जीवन गढ़ता है और शिक्षक ही समाज की आधारशिला है। समीक्षा बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार ने एमपी टास, नेशनल अचीवमेंट सर्वे, दिव्यांग छात्रों का पंजीकरण एवं शिक्षा विभाग के अन्य लक्ष्यों का विस्तृत विवरण कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने इन लक्ष्यों की प्राप्ति पर संतोष जताते हुए कहा कि और तीव्र गति से इन लक्ष्यों को प्राप्त करें। इस दौरान कलेक्टर को शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक शाला गाडरवारा के प्राचार्य श्री सुशील शर्मा ने अपनी साहित्यिक कृतियां भेंट स्वरूप प्रदान की। बैठक में डीपीसी, एडीपीसी, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं जिले के समस्त संकुल प्राचार्य मौजूद थे।

विचार गोष्ठी और सम्मान समारोह आयोजित

नरसिंहपुर। वरिष्ठ जन परिषद नरसिंहपुर द्वारा राम जानकी मंदिर धनारे कालोनी नरसिंहपुर में विचार गोष्ठी और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। हनुमान चालीसा पाठ और मां सरस्वती की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में वरिष्ठ सदस्य पं.ओ पी स्वामी,पं.एम एल हरदेनिया भाई राजेंद्र सिंह पटेल का परिषद द्वारा पुष्पमाला शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान और नागरिक अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम के दूसरे चरण में हिंदी पखवाड़ा समापन, नवरात्रि का आगमन और पितृपक्ष के मौके पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें वक्ताओं ने विचार रखे। डॉ. महेश त्रिपाठी गणेश कुमार चतुर्वेदी डी डी गोस्वामी एम एल हरदेनिया ने तर्पण श्राद्ध के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि यह पक्ष हमें बुजुर्गों की सेवा और सम्मान की प्रेरणा देता है।बी एस पटेल एड.जोगेन्दर सिंह ओ पी गोस्वामी और प्रेमशंकर राघव ने कहा कि नवरात्र मां के आराधन वंदन का पर्व है।हम सदैव बहू बेटियों सहित मातृ शक्ति का सम्मान करें। हिंदी पखवाड़ा समापन पर साहित्यकार अशोक त्रिपाठी रमाकांत गुप्ता नीर सी बी शर्मा ने कहा कि हिंदी भाषा राष्ट्र के गौरव और गरिमा की भाषा है।हम सब मिलकर हिन्दी भाषा को समृद्ध बनायें। उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों ने अपने अपने सुविचार व्यक्त किये।

कन्या शाला में स्वच्छता को लेकर प्रतियोगिताओं का आयोजन

सुबह सवेरे सोहागपुर। नगर पंचायत परिषद के तत्वावधान में शासन के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत कन्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में चित्रकला,निबंध लेखन, स्लोगन, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 27 छात्राओं ने चित्रकला, 6 छात्राओं ने निबंध एवं 6 छात्राओं ने स्लोगन प्रतियोगिता में भाग लिया।इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ अनूप सोनी,मधुलिका मसीह,नवीन भावसार,पीसी कोरी, राकेश पटेल, राम मूर्ति पटेल, निरंजना दुबे, बीपी ब्रम्हवंशी, अजयलाल, नगर पंचायत परिषद के अमित परसाई ,नीरज मलैया, प्रांजुल दीवान, दीपककुमार आदि उपस्थित थे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत नगर के स्कूलों में स्वच्छता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत मिशन दिवस के दिन विजेता छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित मुख्यालय परिसर में बैंक कर्मचारियों द्वारा समग्र स्वच्छता अभियान चलाकर मुख्यालय परिसर में साफ-सफाई की गई

धार। ''स्वच्छता ही सेवा'' पखवाड़े (विशेष साफ सफाई अभियान) के तहत जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित मुख्यालय परिसर में बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्यालय, शाखा के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा समग्र स्वच्छता अभियान चलाकर मुख्यालय परिसर में झाड़ू लगाई गई एवं साफ सफाई की गई। ''स्वच्छता ही सेवा'' पखवाडे विशेष साफ सफाई अभियान के संबंध बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी के.के. रायकवार ने कहा कि स्वच्छता पखवाडे का अर्थ है जन-जन तक स्वच्छता का संदेश पहुचाना। जिस प्रकार अपने कार्यालय की सफाई जरूरी है। उसी प्रकार मनुष्य के तन और मन की सफाई भी उतनी ही जरूरी है। साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस अवसर पर अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

नवरात्रि पर्व पर भक्तों को कोई असुविधा नहीं होगी

स्टेट प्रेस क्लब के पत्रकारों से अधिकारियों नें किया वादा

देवास/ नवरात्रि में माता टेकरी पर वाले लाखों भक्तों और दर्शनार्थियों को किसी तरह की असुविधा न हो और सुगमता से दर्शन हो सके इसके लिए पूरी प्रशासनिक टीम वचनबद्ध है । पर्व की तैयारियों में लोग दिन रात लगे हैं और समय से पहले सब काम पूरे हो जाएंगे। यह बात प्रशासनिक अधिकारियों ने कही। वे स्टेट प्रेस क्लब मप्र से जुड़े इंदौर, देवास के पत्रकारों के मिलन समारोह में बोल रहे थे। स्टेट प्रेस क्लब मप्र इंदौर के पत्रकारों की टीम अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल के नेतृत्व मे गुरुवार शाम देवास माता दर्शन और नवरात्रि पूर्व तैयारियों के अवलोकन हेतु पहुंची थी। देवस्थान समिति अध्यक्ष और एसडीएम बिहारी सिंह ने उपस्थित पत्रकारों को आश्वस्त किया और कहा कि नवरात्रि पर्व देवास का सबसे बड़ा आयोजन है जहाँ लाखों की संख्या में लोग माता रानी के दर्शनों के लिए देवास आते हैं, जिन्हें सुगमता से दर्शन हो सके।

नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा ने कहा कि भक्तों की सुविधा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे है और पर्व शरू होने से पहले ही सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद कर ली जायेगी। एडीएम प्रवीण फुलपगारे ने कहा कि प्रशासनिक टीम अपने बीते साल के अनुभवों के साथ साथ भक्तों को बेहतर सुविधा और सुगमता से दर्शन करवाने के लिए तैयार हैं और सभी तैयारी लगभग अंतिम चरण में है। स्टेट प्रेस क्लब मप्र द्वारा इस अवसर पर अधिकारियों तथा देवास के पत्रकारों का सम्मान किया गया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए । टीम की अगवानी रोप वे स्टेंड पर तथा स्वागत माता टेकरी पर देवास के पत्रकारों तथा स्टेट प्रेस क्लब देवास के सदस्यों द्वारा किया गया। शाम अचानक बदले मौसम के बाबजूद इस गरिमामयी आयोजन और दर्शनों का आनंद बड़ी संख्या में आए परिवारो ने लिया।

राष्ट्रीय सेवा भारती ने सुपोषण जागरूकता अभियान चलाया

भोपाल। राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा सुपोषण जागरूकता को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में धार जिला सेवा भारती समिति धार द्वारा 26 सितम्बर से 2 अक्टोबर तक सुपोषण जागरूकता अभियान सुपोषण सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है । आज से सप्ताह का शुभारंभ किया गया।

अभियान का उद्घाटन केन्द्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा किला मैदान धार में किया गया।कार्यक्रम में विशेष अतिथि अरविंद जी चौधरी विभाग कार्यवाह,धार रा.स्वयंसेवक संघ उपस्थित रहे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा अपने उद्बोधन में भारत सरकार द्वारा 1 सितम्बर से 30 सितम्बर तक सुपोषण जागरूकता एवं स्वास्थ्य अभियान चलाये जाने की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का सपना स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत का सपना सेवा भारती समिति जैसी संस्थाएं ही कर सकती है।

विधायिका नीना वर्मा द्वारा सेवा भारती द्वारा किए जा रहे कार्यो की सराहना की गई। उनके द्वारा कुपोषण कार्यक्रम में जनजागृति लाने पर जोर दिया गया। उन्होने कहा कुपोषण मिटाने हेतु परिवार में माता को कुपोषित बच्चे पर अधिक ध्यान देना होगा एवं उसे घर में ही पोषण आहारा देना होगा।

शैलेन्द्रजी महाजन प्रांत सेवा प्रमुख मालवा प्रांत रा.से.संघ नें अपनें उद्बोधन में कहा कि देश

के 37 प्रतिशत बच्चे कुपोषित है । वर्तमान में बाहर से खाना मंगानें का प्रचलन चल रहा है जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ।

कार्यक्रम का संचालन सेवा भारती धार की उपाध्यक्ष चेतना राठौर द्वारा किया गया । रीतेश जी अग्रवाल द्वारा मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया गया। सेवा भारती धार के सचिव वैभव जी निगम द्वारा सेवा भारती द्वारा संचालित प्रकल्पों की जानकारी दी गई । आभार प्रदर्शन सेवा भारती के अध्यक्ष अनिल जी जैन द्वारा किया गया।

सावित्री ठाकुर एवं नीना वर्मा द्वारा बच्चों को बिस्किट पेकेट वितरीत किए गए।सेवा भारती द्वारा जांच हेतु आए हुए मरीजों को गुड़ चनें का वितरण किया गया ।शिविर में भोज चिकित्सालय के सहयोग से लगभग 350 मरीजों का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया रक्त, बीपी की जांच कर औषधि वितरण की गई ।

माताजी टेकरी पर नवरात्रि पर्व की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

नवरात्रि पर्व पर पार्किंग की ऐसी व्यवस्था करें की श्रद्धालुओं को ज्यादा दूर पैदल नहीं चलना पड़े : विधायक श्रीमती पवार

देवास। जिले में नवरात्रि पर्व 3 अक्टूबर से मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तैयारियों के संबंध में बैठक मॉ चामुंडा शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में देवास विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय, नगर निगम सभापति श्री रवि जैन, नगर निगम आयुक्त श्री रजनीश कसेरा, अपर कलेक्टर श्री प्रवीण फुलपगारे, एसडीएम श्री बिहारी सिंह, पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत, नगर निगम, वन विभाग, यातायात, स्वास्थ्य विभाग, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार ने कहा कि पार्किंग की ऐसी व्यवस्था करें की दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा दूर पेदल नहीं चलना पड़े। माताजी टेकरी और शहर में सजावट करें। शहर के मुख्य मार्ग पर लाईटिंग लगाये। नवरात्रि में चलने वाले भण्डारों के पास बडे-बडे डस्टबिन रखें। नागरिकों को जागरूक करें की कचरा डस्टबिन में ही डाले। नवरात्रि के दौरान देवास शहर के नागरिक चार पहिया वाहन का उपयोग कम से कम करें। जिससे ट्राफिक व्यवस्था में सुविधा रहें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि नवरात्रि पर्व पर देवास शहर में विभिन्न स्थानों पर भण्डारों से वितरित होने वाली खाद्य सामग्रियों की जांच करें। कन्ट्रोल रूम में सभी संबंधित विभागों से अधिकारी प्रतिनिधि के रूप में रहेंगे। दो कन्ट्रोल रूम बनाये एक माताजी टेकरी पर और एक शंख द्वारा के पास। टेकरी पर टेटू वालों की दुकानें नहीं लगने दें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिये कि शंख द्वार, सीड़ी द्वार एवं जैन मंदिर के पास मेडिकल काउंटर लगाएं। डाक्टरों एवं स्टॉफ की मय एंबुलेंस, ऑक्सीजन, दवाइयों के 24 घंटे ड्यूटी लगाएं। व्हील चेयर की व्यवस्था भी करें। टीम के पास बीपी, शुगर, सीजनल दवाईयां आवश्यक रूप से हो यह सुनिश्चित कर लें। ट्रेफिक और स्वच्छता दल बनाओं जिसमें 9वीं से 12वीं तक के छात्रों का शामिल करें। मजिस्ट्रेट सभी विभागों के ड्यूटी आदेश अपने पास रखें और निरंतर निरीक्षण करते रहें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि टेकरी पर जितने कार्य प्रगतिरत है उन्हें 30 सितम्बर तक पूर्ण करे लें। नवरात्रि में टेकरी पर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन हों, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक दर्शन की सुविधा की दृष्टि से टेकरी पर पानी व छाया सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाए। टेकरी पर कंट्रोल से 24 घंटे मॉनिटरिंग करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि टेकरी पर उच्च गुणवत्ता की सुविधा हों, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुजन देवास के इस प्रसिद्ध स्थान की व्यवस्थाओं की प्रशंसा करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि टेकरी स्थिति समस्त मंदिरों एवं सम्पूर्ण टेकरी क्षेत्र की नियमित साफ सफाई की जाये। टेकरी पर पानी व छाया सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था करें। वॉच टॉवर बनाये जायें, जिससे भीड़ होने पर नजर रखी जा सकें। नवरात्रि के दौरान अवैध दुकानों के अतिक्रमण को हटाया जाये। नवरात्रि पर्व पर वाहन पार्किंग की उचित व्यवस्था की जाए। अवैध पार्किंग पर कार्यवाही की जाये। दुकानों को व्यवस्थित लगवाये। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि नवरात्रि के दौरान बैरिकेट्स की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। पीडब्ल्यूडी विभाग पार्किंग स्थल से लेकर सम्पूर्ण टेकरी क्षेत्र पर आवश्यक स्थानों पर बेरीकेड की व्यवस्था करें। टेकरी पर समस्त मंदिरों, रपट मार्ग, सीढ़ी मार्ग, परिक्रमा मार्ग पर प्रकाश की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने एमपीईबी को निर्देश दिए हैं कि टेकरी क्षेत्र में निर्बाध विद्युत व्यवस्था हो। विद्युत व्यवस्था के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जाये। टेकरी पर बिजली के तार सही करवा लें। टेकरी क्षेत्र की स्ट्रीट लाइट व अन्य लाइनों को दुरुस्त किया जाए।

विशेष प्रयासों से 75 प्रतिशत बच्चों ने हासिल की दक्षता

लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक ने प्राचार्य और उनकी टीम को दी शुभकामना संदेश

नरसिंहपुर। जिले के सीएम राइज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोभी ने कक्षा चौथी व 8 वीं के विद्यार्थियों में हिंदी, गणित एवं अंग्रेजी विषय में अपनी मूलभूत दक्षता स्तर तक की समझ नहीं होती थी। प्राचार्यों ने बच्चों में दक्षता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रयास किये और उन्हें सफलता हासिल हुई। विद्यालय के कक्षा चौथी से 8वीं तक के विद्यार्थियों के दक्षता उन्नयन के लिए विगत वर्ष निरंतर प्रयास किये। संस्था स्तर पर विद्यार्थियों को स्तर अनुरूप अंकुर,तरूण एवं उमंग समूह में विभाजित कर निरंतर अभ्यास कराया गया। सभी शिक्षकों के द्वारा प्रभावी पाठ्योजनानुसार अध्यापन कराया गया। कक्षागत प्रक्रियाओं जैसे प्रभावी हुक, कोल्डकालिंग और रेमेडियल कक्षाओं का नियमित संचालित किया गया। प्रत्येक 25 विद्यार्थियों के समूह के लिए वार्डन शिक्षक नियुक्त कर विद्यार्थियों की प्रगति के संबंध में उनके पालकों को सतत सूचना प्रदान करते हुए उन्हें घर पर विद्यार्थियों की गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। भयमुक्त वातावरण का निर्माण करने के लिए सभी स्कूल प्रोसेस जैसे मॉर्निंग मीटिंग, व्यवहार टेकर, प्रभावी प्रिंट रिच एवं आकर्षक प्रार्थना सभा के आयोजन के साथ ही प्रत्येक शनिवार थीम गतिविधियां तय कर बालसभा का संचालन किया गया। इसका परिणाम ये रहा कि संस्था के 75 प्रतिशत विद्यार्थियों ने मूलभूत दक्षता प्राप्त कर ली है।राज्य शासन द्वारा थर्ड पार्टी को इसका परीक्षण करने के लिए नियुक्त किया गया था। परीक्षण उपरांत विद्यालय को दक्ष विद्यालय घोषित कर दिया है। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के संचालक श्री डीएस कुशवाहा ने संस्था प्रचार्य श्री अंजेश कुमार पटेल एवं सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए शुभकामना संदेश पत्र प्रेषित किया है। इनकी इस उपलब्धि से संस्था ने जिले का नाम प्रदेश स्तर पर दर्ज कराया है। किसी भी शासकीय विद्यालय के लिए ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे जनमानस में सीएम राइज विद्यालयों के प्रति विश्वास जागा है। इनकी इस उपलब्धि पर ग्रामवासियों और बच्चों के अभिभावकों ने संस्था के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए स्कूल की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर रीजनल इन्डस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों के साथ निवेश संबंधी रांउड टेबल मीटिंग की।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 5 साल में दोगुना करने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बताए गए विभिन्न बिन्दुओं पर ध्यान केंद्रित कर राज्य सरकार उन्हें पूरा करने का प्रयास कर रही है। खासकर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर मध्यप्रदेश में तलाशने पर जोर दिया जा रहा है। गरीबों, महिलाओं, किसानों और युवाओं के हित में सभी प्रकार के उद्योग स्थापित करने और रोजगार दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। लोगों को उनकी क्षमता के अनुसार रोजगार दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। व्यापार और व्यवसाय के लिए प्रदेश में अनुकूल अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आने वाले 5 साल में राज्य की अर्थव्यवस्था दोगुनी करने का लक्ष्य है, जिसे हम तीन साल में ही पूरा करने का प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए टैक्स और जीएसटी का संग्रहण बढ़ाने का कार्य चल रहा है। विकास के नये आयाम स्थापित करने के लिए सभी संभागों में लगातार रीजनल कॉन्क्लेव और देश के महानगरों में रोड-शो किये जा रहे हैं। इनका प्रदेश में बड़े पैमाने पर असर दिख रहा है। अभी तक 2 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव आए हैं। यह कार्य लगातार जारी रहेगा। प्रदेश में केवल बड़े उद्योग ही नहीं, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एमएसएमई के साथ स्व-सहायता समूह की बहनों को प्रोत्साहन देने का कार्य किया जा रहा है। आईटी, एआई, इंजीनियरिंग सहित उच्च तकनीक के अलग-अलग पाठ्यक्रमों के छात्रों को प्रोत्साहन देकर प्रदेश में उनकी क्षमता का उपयोग किया जा रहा है। प्रदेश के विकास, उद्योग और रोजगार बढ़ाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर में डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए एक बड़ा प्रस्ताव मिला है। प्रदेश में उद्योग व्यवसाय से जुड़े घराने लगातार सहयोग कर रहे हैं। सागर के बाद रीवा, नर्मदापुरम और शहडोल में भी रीजनल इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा।

वन विभाग में 38 आईएफएस अफसरों के ट्रांसफर

भोपाल समेत 16 जिलों के डीएफओ इधर से उधर

भोपाल (नप्र)। मप्र के वन विभाग ने 38 आईएफएस अफसरों के तबादले किए हैं। इनमें भोपाल सहित 16 जिलों के डीएफओ बदले गए हैं। भोपाल के डीएफओ आलोक पाठक का भी तबादला किया गया है। पाठक की जगह लोकप्रिय भारती को भोपाल का वन मंडलाधिकारी बनाया गया है।

इन जिलों के डीएफओ बदले

खरगोन, उज्जैन, बैतूल, सिवनी, सीधी, अशोक नगर, सतना, बालाघाट, दमोह, शाजापुर पन्ना, भिंड, मुरैना, रीवा, रायसेन और भोपाल जिले के वन मंडल अधिकारी बदले गए हैं।

एमपी में प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 10 नवंबर से

1 से 15 अक्टूबर तक भरे जाएंगे फार्म; बीएड वाले नहीं हो पाएंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षक 'प्राथमिक शिक्षक (वर्ग-3)' बनने के लिए 10 नवंबर से पात्रता परीक्षा शुरू हो रही है। मप्र कर्मचारी चयन मंडल ने परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस परीक्षा के लिए 1 से 15 अक्टूबर से ऑनलाइन फॉर्म भरे जाएंगे।

2023 में आयोजित उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती के बाद अब प्राथमिक शिक्षक भर्ती में भी पात्रता के बाद चयन परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। यानी अभ्यर्थी को शिक्षक बनने के लिए दो परीक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना होगा।

यह परीक्षा स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के स्कूलों के लिए संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। बीएड (बैचलर ऑफ एजुकेशन) डिग्री वाले कैंडिडेट परीक्षा के लिए पात्र नहीं होंगे।

प्रारंभिक शिक्षा में दो साल का डिप्लोमा अनिवार्य- इस परीक्षा में शामिल होने के लिए कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ हायर सेकंडरी या उसके समकक्ष और प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्ष का डिप्लोमा या समकक्ष होना अनिवार्य है। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग व्यक्ति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। सक्षम अधिकारी को जाति प्रमाण पत्र होने पर उनके लिए 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे।

पात्रता परीक्षा की वैधता आजीवन रहेगी- प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2020 और इसके बाद आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा आजीवन वैध रहेगी। यानी 2020 की परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों को इस परीक्षा में बैठने की जरूरत नहीं है। उल्लेखनीय है कि इस नियम के बाद स्कूल शिक्षा या जनजातीय कार्य विभाग जब भी इस वर्ग के शिक्षकों की भर्ती निकालेगा, पहले से परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। उनका चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

ये होगा वेतनमान- प्राथमिक शिक्षक का न्यूनतम वेतन 25,300 रुपए और महंगाई भत्ता होगा। परिवीक्षा अवधि में उन्हें 12 दिसंबर 2019 के नियम से वेतन दिया जाएगा।

हरदा दुष्कर्म मामला

नाइट विजन ड्रोन से जंगल में रेपिस्ट की तलाश

ह्यूमन टेम्परेचर सेंसर से डिटेक्ट होगा; 5 साल की बच्ची से किया था दुष्कर्म

हरदा (नप्र)। हरदा में 5 साल की बच्ची से रेप का आरोपी चार दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस ने आरोपी के सभी ठिकानों पर छापा मारा, लेकिन सफलता नहीं मिली। अब पुलिस को आशंका है कि आरोपी जंगल में छिपा है। उसे पकड़ने के लिए भोपाल से थर्मल इमेज नाइट विजन ड्रोन कैमरा मंगाया गया है।

पुलिस ने गुरुवार रात सिराली के जंगलों में नाइट विजन ड्रोन से आरोपी की खोजबीन की। ये जंगल जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर है। संभवतः मध्य प्रदेश में यह पहला मामला है, जिसमें आरोपी की तलाश के लिए नाइट विजन ड्रोन कैमरे की मदद ली जा रही है।

नदी किनारे बेहोश मिली थी बच्ची- 23 सितंबर को हरदा के सिराली में 5 साल की बच्ची नदी किनारे बेहोश मिली थी। जानकारी मिलने पर पुलिस के साथ परिजन बच्ची को अस्पताल ले गए, यहां बच्ची से रेप का खुलासा हुआ। आरोपी उसे कुरकुरे दिलाने का कहकर ले गया था और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया।

ह्यूमन टेम्परेचर से सेट किया जाता ड्रोन- जानकारी के मुताबिक हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह ने मध्यप्रदेश इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम भोपाल से नाइट विजन ड्रोन कैमरा मंगाया है। इसमें थर्मल सेंसर होते हैं। इसमें नॉर्मल ह्यूमन टेम्परेचर (व्यक्ति के शरीर तापमान) सेट किया जा सकता है। इस कैमरा की मदद से घने इलाके में किसी को भी ढूंढना आसान होता है।

म.प्र. के 3 गांव देश के 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम'

● प्राणपुर पहला क्राफ्ट हैंडलूम टूरिज्म विलेज; साबरवानी-लाड़पुरा को भी मिला खिताब ● केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय ने किया पुरस्कृत ● 8 श्रेणियों में देश के 36 गांव बने विजेता, म.प्र. के तीन शामिल ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई और शुभकामनाएँ

भोपाल (नप्र)। केन्द्र सरकार ने मध्यप्रदेश के अंतराष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर तीन गांवों को विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम से सम्मानित किया है। प्राणपुर को शिल्प श्रेणी में और सावरवानी एवं लाडपुरा खास को जिम्मेदार पर्यटन की श्रेणी में पुरस्कृत किया गया है। ये गांव भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता 2024 में विजेता रहे हैं। प्राणपुर चंदेरी में, लाड़पुरा खास निवाड़ी और सावरवानी छिंदवाड़ा जिले में हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के तीन ग्रामों को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम पुरस्कार मिलने पर बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं।

गांवों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023 में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों की प्रतियोगिता की शुरूआत की गई थी। इस पहल का मकसद उन गांवों की पहचान करना और उन्हें चिन्हित करना था, जो समुदाय-आधारित मूल्यों और सभी पहलुओं में स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता के ज़रिए सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपत्ति को संरक्षित करते हैं और बढ़ावा देते हैं।

सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण में, 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 991 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 36 गांवों को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता 2024 की 8 श्रेणियों में विजेता घोषित किया गया।

देशभर से 900 गांवों में से 36 को चुना गया- सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा सांस्कृतिक व प्राकृतिक संपदा को संरक्षित रखते हुए समुदाय आधारित मूल्यों व जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। देशभर से कुल 900 गांवों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। जिसमें से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के लिए 36 गांवों का चयन किया है। इनमें एमपी के 3 गांव भी शामिल हैं।

इन गांवों को विश्व स्तरीय पहचान मिलेगी- प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति विभाग एवं प्रबंध संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ला, अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में सम्मानित होने से प्राणपुर, साबरवानी व लाड़पुरा खास को विश्व स्तरीय पहचान मिलेगी। देशी-विदेशी पर्यटकों के आगमन में बढ़ोतरी होगी। जिससे यहां स्थानीय रोजगार बढ़ेगा व गांव की अर्थव्यवस्था का विकास होगा। गांवों में प्राचीन कला, शिल्प और सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण होगा। जिससे आने वाली पीढ़ियों तक यह धरोहर सुरक्षित रहेगी। बता दें कि साल 2023 में पन्ना जिले का मडला एवं सीधी जिले का खोखरा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम घोषित किया था।

जानिए इन गांवों के बारे में

प्राणपुर- अशोकनगर की तहसील चंदेरी से 4 किमी दूर प्राणपुर को देश के पहले क्राफ्ट हैंडलूम टूरिज्म विलेज के रूप में विकसित किया गया है। यहां बनुकरों के करीब 243 घरों में हथकरघा बुनाई का कार्य किया जाता है। गांव में लगभग 550 हाथकरघों पर लगभग 900 बुनकर चंदेरी वस्त्रों की बुनाई करते हैं। 6 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी।

साबरवानी- छिंदवाड़ा जिले की तामिया तहसील में बसा साबरवानी गांव समृद्ध गोंड जनजातीय संस्कृति को दर्शाता है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन से घिरा यह गांव शांत वातावरण, पक्षियों की प्रचुर प्रजातियां और मनोरम परिदृश्यों से भरा हुआ है।

यहां टूरिज्म बोर्ड द्वारा 9 होमस्टे तैयार किए जा चुके हैं। विलेज वॉक, प्राकृतिक खेती, बैलगाड़ी की सवारी, मछली पकड़ना, पक्षी देखना, साइकिल चलाना, स्टारगेजिंग जैसी गतिविधियों का आनंद लेते हैं। मक्के की रोटी, चने की भाजी और चना दाल जैसे स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाते हैं।

लाड़पुरा: निवाड़ी जिले में ओरछा से 8 किलोमीटर दूर स्थित लाड़पुरा खास को मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के तहत पहले ग्रामीण पर्यटन गांव होने का गौरव प्राप्त है। बुंदेलखंड सांस्कृतिक क्षेत्र के केंद्र में बसा लाड़पुरा खास मेहमानों को बेहतरीन बुंदेली संस्कृति और परंपराओं से अवगत कराने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

मनमोहक परिदृश्यों, वादियों, कृषि क्षेत्रों और ग्रामीण जीवन से घिरा लाड़पुरा खास प्रकृति के सुरम्य नजारों से भरपूर है। स्थानीय वास्तुकला में निर्मित और हाथ से बनाई गई दीवार पेंटिंग से सजे होमस्टे, लाड़पुरा खास के आकर्षण हैं।

एमपी के म्यूजियम-स्मारकों में एंट्री रही फ्री

भोपाल में दिनभर हुए कई आयोजन

भोपाल (नप्र)। विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर शुक्रवार (27 सितंबर) को मध्यप्रदेश के सभी म्यूजियम और स्मारकों पर एंट्री फ्री रही। देशी के साथ विदेशी पर्यटक भी भ्रमण कर रहे थे। इधर, भोपाल में दिनभर इवेंट्स हुए। सुबह योगा, साइकिल रैली और जुम्बा हुए।

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बताया, संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय मप्र के अधीन प्रदेश के सभी संग्रहालयों एवं स्मारकों पर दर्शकों (देशी एवं विदेशी) का प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। उनसे कोई चार्ज नहीं लिया गया। इस संबंध में गुरुवार को ही आदेश जारी कर दिए गए थे।

300 लोगों ने किया योग और जुम्बा- सुबह 6 बजे से करीब 300 लोगों ने योग और जुम्बा सत्र में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लाभ लेने के साथ डांस फॉर्म के माध्यम से मनोरंजन किया। वहीं, साइक्लोथॉन में 500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

बोट क्लब में योगा और जुम्बा हुआ

'पर्यटन और शांति' की थीम पर शुक्रवार सुबह 6 बजे से भोपाल के विंड एंड वेव्स पर योगा और जुम्बा सत्र हुआ। सुबह 8 बजे बोट क्लब से साइक्लोथॉन शुरू हुई। वहीं, सुबह 10 से दोपहर 1.30 बजे तक गोल घर में चित्रकलां, रांगोली, पुष्प सजावट व मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन चल रहा है। दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक डीबी मॉल में फ्लैश मॉब व पर्यटन क्विज होगी। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में दोपहर 3.40 से 3.50 बजे तक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण होगा। जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम व म्यूजिक बैंड द्वारा प्रस्तुति दी ।

महापौर, एमआईसी मेंबर ने लगाई झाड़ू

पर्यटन दिवस के मौके पर नगर निगम ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया। शौर्य स्मारक पार्क, प्रेमपुरा घाट, बोट क्लब, मनुआभान टेकरी आदि स्थानों पर यह अभियान चला। इस दौरान महापौर मालती राय, एमआईसी मेंबर आरके सिंह बघेल, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान आदि ने झाड़ू लगाई।

भोपाल में एटीएम तोड़ने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

ऑटो में पहुंचे थे वारदात करने, एटीएम से चोरी के बाद अय्याशी की थी प्लानिंग

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अयोध्या नगर स्थित नरेला शंकरी में बने कैनरा बैंक के एटीएम को तोड़कर चोरी का प्रयास करने वाले नाबालिग सहित 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सभी ने ऑटो से घूमकर रेकी की थी। मौका मिलते ही गैती, रॉड, सब्बल और टामी से एटीएम को तोड़ने का प्रयास किया था। चोरी में कामयाब होने पर आरोपियों ने अय्याशी के लिए गोवा जाने का प्लान बनाया था।

घटना 21 सितंबर की देर रात की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तीन टीमें आरोपियों की तलाश में लगाई थीं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वारदात के समय उन्हें पुलिस वाहन का सायरन सुनाई दिया था। जिसे सुनते ही मौके से भाग निकले थे।

ऑटो नंबर के आधार पर आरोपियों तक पहुंची पुलिस- जांच के दौरान पुलिस ने आस पास लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। इसमें पुलिस को संदेही ऑटो नंबर दिखा। इस ऑटो के सहारे पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह एटीएम से चोरी कर जल्द अमीर बनना चाहते थे। इससे मिलने वाली रकम से सबसे पहले गोवा घूमने का प्लान था।

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार- नंदलाल सिंह उर्फ गोलू उर्फ अज्जू उर्फ बड़े पिता स्व.राजा सिंह ठाकुर (22) ग्राम बबेरू थाना बिसंडा जिला बांदा, उत्तर प्रदेश में रहता था। बीते दो सालों से भोपाल में रहकर ऑटो चला रहा है और कोचफैक्ट्री इलाके में रहता है। आरोपी ने विधि विरोधी बालक के साथ अंदर घुसकर गैंती, टामी और कटर से मशीन तोड़ने का प्रयास किया था। आरोपी रेलवे के जीएम की गाड़ी भी चलाता था।

अंकित आर्या उर्फ गप्पे पिता महेश आर्या मिस्त्री (18) निवासी हजीरा ग्वालियर फिलहाल कपड़ा मील की चाल विजय नगर चांदबड थाना स्टेशन बजरिया किराए से रहता है। आरोपी ने भी वारदात के समय नंदलाल और नाबालिग के साथ मिलकर एटीएम में तोड़फोड़ की थी।

रवि अहिरवार पिता स्व.नारायण अहिरवार (21) निवासी ग्राम रतनपुर थाना सलामतपुर जिला रायसेन फिलहाल नित्य सेवा सदन के सामने विजय नगर चांदबड़ थाना स्टेशन बजरिया में रहता है। घटना के समय आरोपी ने एटीएम से दूर खड़े रहकर निगरानी की। अंदर चोरी करने वालों को कांफ्रेंस कॉल से जानकारी दे रहा था। आरोपी ऑटो चलाता है।

रोहित पंथी पिता स्व.मोहन पंथी उम्र 25 साल निवासी मऊरानी पुर झांसी उत्तर प्रदेश हाल फिलहाल कपड़ा मील की चाल विजय नगर चांदबड़ थाना स्टेशन बजरिया भोपाल में किराए से रहता है। वारदात में इस्तेमाल ऑटो आरोपी का था। आरोपियों को साथ लेकर गया था। वारदात के समय महार निगरानी की थी। अमन पंथी पिता स्व.मोहन पंथी उम्र 22 साल निवासी मऊरानी पुर झांसी उत्तर प्रदेश हाल फिलहाल कपड़ा मील की चाल विजय नगर चांदबड़ थाना स्टेशन बजरिया भोपाल में रहता है। इसने भी बाहर खड़े होकर निगरानी की थी।

महाकाल मंदिर के पास दीवार गिरी, दो लोगों की मौत

उज्जैन में मलबे में दबे लोग, 4 घायलों को अस्पताल पहुंचाया; तेज बारिश हो रही थी

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में शुक्रवार को तेज बारिश के बीच महाकाल मंदिर के गेट नंबर चार के पास दीवार गिर गई। मलबे में दबने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं चार लोग घायल हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस बल और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायलों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

बताया जा रहा है कि महाराजवाड़ा स्कूल को रिनोवेट कर महाकाल फेज 2 का काम चल रहा था। यहां शुक्रवार सुबह से बादल छाए थे। दोपहर बाद तेज पानी गिरा। रात में जिस समय ये हादसा हुआ उस समय भी तेज बारिश हो रही थी।

महाकाल फेज 2 का काम चल रहा था- बताया जा रहा है कि महाराजवाड़ा स्कूल को रिनोवेट कर महाकाल फेज 2 का काम चल रहा था। यह दीवार पुरानी थी। तेज बारिश के बाद ढह गई। अचानक हुए इस हादसे में कुछ लोग घायल हो गए।